गैरसैंण, रविवार
15 फरवरी 2026
वर्षः 17
अंकः 262 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

मुख्यमंत्री ने दी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाशिव रात्रि का पावन पर्व शिव एवं शक्ति की आराधना का पर्व है। यह पर्व हमें प्रेम, एकता और आध्यात्मिक जागरण की प्रेरणा देता है। भगवान शिव की असीम कृपा सभी प्रदेशवासियों पर हमेशा बनी रहे और प्रदेश उन्नति एवं खुशहाली के पथ पर हमेशा आगे बढ़ता रहे, इसकी भी मुख्यमंत्री ने कामना की है।

दून के नए एसएसपी प्रमेंद्र डोभाल ने संभाला चार्ज

देहरादून : नए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेंद्र डोभाल ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण किया। पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि राजधानी में कानून व्यवस्था, ट्रैफिक सुधार और महिला सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि पुलिसिंग में सुधार दिखेगा और फोर्स का मनोबल हमेशा ऊंचा रखा जाएगा। एसएसपी ने स्वीकार किया कि देहरादून में डेमोग्राफिक बदलाव एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि पूर्व में सत्यापन पर अपेक्षित ध्यान न देने के कारण जो त्रुटियां हुई हैं, उन्हें सुधारा जाएगा। अब सत्यापन अभियान पूरी सख्ती से चलाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सांप्रदायिक माहौल खराब करने वालों के खिलाफ ह्यजीरो टॉलरेंसङ्ख की नीति अपनाई जाएगी। अपराध नियंत्रण पर उन्होंने कहा कि विक्रम शर्मा हत्याकांड का जल्द खुलासा किया जाएगा। जमीनों की धोखाधड़ी रोकने के लिए लैंड फ्रॉड कमेटी के माध्यम से सख्त कार्रवाई होगी और किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाएगी। अवैध हथियारों की सप्लाई पर भी नकेल कसी जाएगी। एसएसपी डोभाल ने दो टूक कहा कि पुलिस पर किसी भी प्रकार का राजनीतिक या सामाजिक दबाव नहीं है और पुलिस निष्पक्ष होकर कार्य करेगी। (एजेंसी)

एसएससी परीक्षा में हाईटेक नकल का भंडाफोड़

देहरादून : उत्तराखंड एसटीएफ ने एसएससी मल्टी-टास्किंग परीक्षा में हाईटेक नकल कराने वाले गिरोह का बड़ा पर्दाफाश किया है। एमकेपी इंटर कॉलेज स्थित ह्यमहादेव डिजिटल जोनङ्ख सेंटर पर एसटीएफ (उत्तराखंड व यूपी) ने संयुक्त छापेमारी की। हैरान करने वाली बात यह है कि सेंटर के यूपीएस रूम में जमीन के अंदर गड्ढा (चैंबर) बनाकर वहां से लैपटॉप के जरिए अभ्यर्थियों के सिस्टम का रिमोट एक्सेस लिया जा रहा था। गिरोह पास कराने के बदले अभ्यर्थियों से 10-10 लाख रुपये वसूलता था। मौके से नीतिश कुमार और भास्कर नैथानी को गिरफ्तार कर लैपटॉप व राउटर जब्त किए गए हैं। सेंटर को सील कर आरोपियों पर सख्त नकल विरोधी कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आईजी नीलेश भरणे ने पत्रकारों से वार्ता कर शनिवार को जानकारी दी। (एजेंसी)

छात्र की खुदकुशी पर आयुर्वेदिक कॉलेज में जड़े ताले

हरिद्वार। साथी छात्र की आत्महत्या से छात्र–छात्राएं गम और गुस्से से भर गए। उन्होंने परीक्षा और परिणाम में कथित गड़बड़ी को इसका कारण बताकर ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज में ताले जड़ दिए। उन्होंने शनिवार को परिसर निदेशक को भी घेरा। प्रदर्शनकारियों ने निदेशक डॉ. अनूप गक्खड़ का घेराव करते हुए निष्पक्ष जांच के साथ जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग उठाई। इस हंगामे के कारण ओपीडी सेवाएं भी प्रभावित रहीं। तालाबंदी के चलते बड़ी संख्या में मरीज बिना उपचार कराए लौटने को मजबूर हुए। छात्रों ने चेताया कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हालात संभालते हुए शांति बनाए रखने की अपील की। कॉलेज प्रशासन ने इस घटना पर दुख जताते हुए जांच के साथ ही छात्रों से संवाद करने का आश्वासन दिया। साथी बोले–'बैक' आने से तनाव में था यशपाल सहपाठी की मौत से आहत कई छात्र–छात्राओं की आंखें नम दिखीं। उनके अनुसार, यशपाल की एक विषय में 'बैक' आई थी। वह परीक्षा परिणाम में हो रही देरी से भी तनाव में था।

डिग्री के साथ मानवता की सेवा का दायित्व भी जुड़ा है : जेपी नड्डा

स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय का आठवां दीक्षांत समारोह संपन्न

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जॉलीग्रांट स्थित स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग किया। दीक्षांत समारोह में मेडिकल, एलाइड हेल्थ, नर्सिंग, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, योग विज्ञान एवं बायो-साइंसेज संकायों के 1001 छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं। 31 विद्यार्थियों को अकादमिक अवार्ड, 2 छात्रों को स्वामी राम बेस्ट ग्रेजुएट अवार्ड तथा 14 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन का ऑनलाइन

शुभारंभ किया गया। केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न संकायों में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दीक्षांत केवल एक शैक्षणिक पड़ाव नहीं, बल्कि जीवन की नई यात्रा की शुरुआत है। डिग्री के साथ मानव निर्माण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि

युवा शक्ति ही उत्तराखंड और राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संबोधन करते हुए सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की युवा शक्ति राज्य की सबसे बड़ी ताकत है और स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय ने शिक्षा, चिकित्सा और जनसेवा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है। कहा कि आयुष्मान भारत योजना, टेलीमेडिसिन, पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में केंद्र सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का उल्लेखनीय सहयोग मिल रहा है। उन्होंने रिवर्स पलायन, राज्य के जल–जंगल बचाने के लिए लिए गए ठोस निर्णयों, दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क–बिजली–इंटरनेट कनेक्टिविटी की पहुंच, पर्यटन विकास, एसडीजी रैंकिंग, मत्स्य विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में हो रहे सकारात्मक बदलावों की से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, कौशल और संवेदनशीलता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें, ताकि उनके कार्यों में करुणा, मानवता और सेवा की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो।

अमृतकाल के अगले 25 वर्ष विकसित भारत के निर्माण के निर्णायक वर्ष होंगे, जिनमें आज के युवा साक्षी ही नहीं, कर्ताधर्ता भी बनेंगे। प्राप्त शिक्षा का उपयोग मानवता, गरीब और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए करने का आह्वान उन्होंने किया। केंद्रीय मंत्री ने विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान मानव सेवा, चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना ने शिक्षा को केवल डिग्री मात्र नहीं बल्कि आत्मज्ञान, सशक्तिकरण और परिवर्तन का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि संस्थान का मुख्य फोकस मानव सेवा और नैतिकता के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है। इस अवसर पर सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेंद्र डोभाल सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'हर–हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष गूंज रही धर्मनगरी

महाशिवरात्रि पर सजे शिवालय

हरिद्वार। शिवरात्रि से पहले धर्मनगरी के शिवालय आस्था की ज्योति से आलोकित हो उठे। शहरभर के शिव मंदिरों को फूलों और रंग–बिरंगी लाइट से सजाया गया है। हर ओर 'हर–हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष गूंज रहे हैं।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस–प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। शनिवार से ही आसपास के जिलों से शिवभक्त जलाभिषेक के लिए पहुंचने लगे, जबकि मुख्य पर्व पर भारी भीड़ की संभावना जताई जा रही है। शिव मंदिर और प्रवेश मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। भीड़ प्रबंधन के लिए बैरिकेडिंग और मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रकाश, पेयजल और संकेतक बोर्ड लगाए गए हैं। दक्ष महादेव और बिल्वकेश्वर में विशेष इंतजाम कनखल स्थित दक्ष महादेव मंदिर और बिल्वकेश्वर मंदिर में विशेष योजना लागू की गई है। सुरक्षा, पार्किंग और दर्शन को लेकर विशेष रणनीति बनाई गई है। फाल्गुनी कांवड़ यात्रा के समापन के साथ महाशिवरात्रि का पर्व आस्था के चरम को दर्शा रहा है। कांवड़िए गंगाजल लेकर शिवालयों में जलाभिषेक कर रहे हैं। श्रद्धालु व्रत, पूजन और रात्रि जागरण की तैयारियों में जुटे हैं।

कैबिनेट ने तीन मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

भारतीय रेलवे का नेटवर्क 389 किलोमीटर बढ़ेगा

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों पर कैबिनेट कमेटी (सीसीईए) की बैठक में 18,509 करोड़ रुपए (अनुमानित) लागत वाले तीन रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। सीसीईए की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इन प्रोजेक्ट्स में कसारा झ्र मनमाड (तीसरी और चौथी लाइन), दिल्ली झ्र अंबाला (तीसरी और चौथी लाइन) और बल्लारी झ्र होसपेटे (तीसरी और चौथी लाइन) शामिल हैं।

बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में मजबूत सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। ये मल्टी–ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार किए गए हैं। सीसीईए ने आगे बताया कि

यह तीन रेलवे प्रोजेक्ट्स दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 12 जिलों से होकर गुजरेंगे और इससे भारतीय रेलवे का नेटवर्क करीब 389 किलोमीटर बढ़ेगा। इन प्रोजेक्ट्स से 3,902 गांव तक कनेक्टिविटी मजबूत होगी और करीब 97 लाख लोगों को फायदा होगा।

यह प्रोजेक्ट्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सीसीईए के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट्स प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाए गए हैं, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से बहु–मार्गीय संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन प्रोजेक्ट्स से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों, जिनमें भावली बांध, श्री घाटंदेवी, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, श्री माता वैष्णो देवी कटरा/श्रीनगर और हम्पी (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल), बल्लारी किला, दारोजी स्लॉथ बियर अभयारण्य, तुंगभद्रा बांध, केंचनागुड्डा और विजया विट्ठला मंदिर आदि प्रमुख आकर्षणों के लिए रेल संपर्क में सुधार होगा।

आयुष छात्र ने गंगा में कूदकर दे दी जान

हरिद्वार। हरिद्वार में आयुष छात्र ने गंगा में कूदकर जान दे दी। उसके कमरे से मिले सुसाइड नोट में जीवन से हताश होने का जिक्र है। दूसरी ओर, इस घटनाक्रम के बाद साथी छात्रों में आक्रोश है। वे इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग उठा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान यशपाल (21) पुत्र पुष्पेंद्र पाल के रूप में हुई। वह शाही भवन इंदिरानगर गोरखपुर यूपी का निवासी था और हरिद्वार के मायापुर स्थित विकास कॉलोनी में किराये पर रह रहा था। यशपाल ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज में बीएएमएस द्वितीय वर्ष का छात्र था।

शुक्रवार सुबह वह कमरे से निकला, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। चिंतित परिचितों ने पुलिस को बुलाया। इसके बाद कमरे की तलाशी ली गई, जहां से सुसाइड नोट मिला। इस सुसाइड नोट में यशपाल ने लिखा था कि वह जीवन में कुछ हासिल नहीं कर पाया और इसी कारण निराश है। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई। शनिवार को पथरी पावर हाउस के पास गंगा से यशपाल का शव बरामद किया गया।

किन्नौर में दर्दनाक हादसा:खाई में गिरी कार, मां-बेटे समेत 4 की मौत

रिकांगपिओ, किन्नौर (हिमाचल प्रदेश) । हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिला में एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। निचार उपमंडल के जानी लिंक रोड पर एक कार गहरी खाई में गिर गई, जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

क्या हुआ हादसे में?

एचपी–26बी–8999 नंबर की कार अनियंत्रित होकर अचानक सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। कार में कुल पांच लोग सवार थे।

हादसे में मृतकों की पहचान

इस भीषण दुर्घटना में जिन चार लोगों की मौत हुई, उनमें शामिल हैं–

19 वर्षीय हिमेश कुमार (पुत्र नरेश कुमार), निवासी गांव जानी

42 वर्षीय कृष्णा देवी (पत्नी नरेश कुमार), निवासी गांव जानी

47 वर्षीय सुषमा (पत्नी रोशन लाल), निवासी गांव ग्रांगे

30 वर्षीय इंद्र लाल (पुत्र हरि लाल), निवासी गांव जानी

मृतकों में मां–बेटा भी शामिल हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

हादसे में 32 वर्षीय विद्या कृष्ण (पुत्र हरि लाल), निवासी गांव जानी गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

प्रशासन ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

इस दर्दनाक हादसे से किन्नौर क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। प्रशासन ने लोगों से पहाड़ी मार्गों पर सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है।

होली पर वैष्णो देवी कटरा से दिल्ली और वाराणसी के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली , उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने होली के मौके पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन संख्या 04081/04082 नई दिल्ली और श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच चलेगी, जबकि ट्रेन संख्या 04603/04604 वाराणसी और कटड़ा के बीच संचालित की जाएगी। रेलवे के मुताबिक, ट्रेन संख्या 04081, 21 फरवरी से 8 मार्च तक नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से रात 11:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 12 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में पानीपत, कुरुक्षेत्र, अंबाला कैंट, लुधियाना, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू और उधमपुर स्टेशनों पर ठहरेगी।

वापसी में यही ट्रेन 04082 के रूप में 22 फरवरी से 9 मार्च तक कटड़ा से नई दिल्ली के लिए चलेगी। यह रात 9:20 बजे कटड़ा से प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वापसी मार्ग में भी यह पानीपत, कुरुक्षेत्र, अंबाला कैंट, लुधियाना, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू और उधमपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस सेवा से दिल्ली–एनसीआर, हरियाणा और पंजाब के यात्रियों को विशेष सुविधा मिलेगी और वे होली के अवसर पर माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सुगमता से यात्रा कर सकेंगे। इसी क्रम में ट्रेन संख्या 04603, 24 फरवरी से 8 मार्च के बीच चार फेरे लगाते हुए वाराणसी जंक्शन रेलवे स्टेशन से कटरा के लिए संचालित होगी। यह सुबह 5 बजे वाराणसी से रवाना होकर अगले दिन सुबह 6 बजे कटरा पहुंचेगी। मार्ग में यह प्रतापगढ़, रायबरेली, लखनऊ बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, अंबाला कैंट, लुधियाना, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू और उधमपुर स्टेशनों पर ठहरेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 04604, 22 फरवरी से 6 मार्च तक चार फेरे के साथ कटरा से वाराणसी के लिए चलेगी। यह शाम 6:15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन शाम 7 बजे वाराणसी पहुंचेगी। वापसी मार्ग में यह जम्मू, उधमपुर, पठानकोट कैंट, जालंधर कैंट, लुधियाना, अंबाला कैंट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ रायबरेली और प्रतापगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन स्पेशल ट्रेनों का उद्देश्य त्योहारों के दौरान बढ़ती भीड़ को कम करना और यात्रियों को सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना है, क्योंकि नियमित ट्रेनों में इस अवधि में भारी भीड़ रहती है।

कोलकाता एयरपोर्ट पर बम की धमकी से हड़कंप, फ्लाइट खाली कराई गई

नई दिल्ली ,पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब इंडिगो की कोलकाता से शिलांग जाने वाली उड़ान में बम होने की आशंका से जुड़ा नोट मिला। जानकारी के अनुसार, फ्लाइट 6ई–7304 सुबह करीब 9:15 बजे कोलकाता से रवाना होने वाली थी। बोर्डिंग के दौरान विमान के शौचालय में क्रूसदस्य को एक हस्तलिखित पर्ची मिली, जिसमें विमान के अंदर बम होने की बात लिखी थी। यह जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। एहतियात के तौर पर सभी यात्रियों को तुरंत विमान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद विमान को एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में ले जाया गया, जहां मानक सुरक्षा प्रक्रिया (एसओपी) के तहत व्यापक जांच शुरू कर दी गई। एयरपोर्ट निदेश–क के अनुसार, यात्रियों और विमान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी सावधानियां बरती जा रही हैं। सुरक्षा टीम और बम निरोधक दस्ते द्वारा विमान की गहन तलाशी ली जा रही है और पूरे घटनाक्रम की जांच जारी है। इस घटना के कारण एयरपोर्ट पर कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया,

वन तस्करों और वन विभाग के बीच मुठभेड़

तस्करों ने की पाँच राउंड फायरिंग

काशीपुर। तराई केंद्रीय वन प्रभाग के बरहैनी क्षेत्र के गांव कपकोट हरसान में शनिवार तड़के वन तस्करों और वन विभाग की टीम के बीच मुठभेड़ हो गई। वनकर्मियों के बीच खुद को घिरा देख तस्करों ने पांच हवाई फायर किए। जवाब में वन कर्मियों ने भी मोर्चा संभालते हुए फायरिंग की, लेकिन अंधेरे का लाभ उठाकर तस्कर भागने में सफल रहे। विभाग ने मौके से खैर की लकड़ी के 20 नग और तस्करी में इस्तेमाल तीन बाइकें बरामद की हैं। बरहैनी वन रेंजर कैलाश मेहरा ने बताया कि प्रभागीय वनाधिकारी उमेश चंद्र तिवारी के निर्देश और उप प्रभागीय वनाधिकारी मनिंदर कौर के नेतृत्व में संयुक्त टीम शनिवार सुबह क्षेत्र में गश्त पर थी। बरहैनी के पास कपकोट हरसान में लकड़ी तस्करों के गिरोह से टीम का आमना–सामना हो गया। वन कर्मियों को देखते ही तस्करों ने भागने की कोशिश की और टीम को

डराने के लिए फायरिंग शुरू कर दी। वन कर्मियों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद तस्कर वाहन छोड़कर जंगलों में भाग निकले। वन रेंजर कैलाश मेहरा ने बताया कि मुठभेड़ में एक आरोपी दलजीत को पहचान लिया गया था। बाद वन विभाग और एसओजी की संयुक्त टीम ने फरार मुख्य अभियुक्त दलजीत उर्फ डल्लू पुत्र चरण सिंह के घर पर दबिश दी। इसके साथ ही अस्कोट गांव में की गई छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में अवैध खैर की लकड़ी बरामद हुई।

संस्कार व चरित्र का निर्माण केवल शिक्षा से किया जा सकता है-राजनाथ

ग्रेटर नोएडा , सेंट मैरी स्कूल उद्घाटन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया की कोई ताकत भारत की सीमाओं पर आंख उठाने की कोशिश करेगी तो हम दो–दो हाथ करने के लिए तैयार हैं।

दुनिया की कोई ताकत हमारे देश की सीमाओं पर आंख उठाने की कोशिश करती है तो हम उससे दो–दो हाथ करने के लिए तैयार हो जाते हैं। 1991 के बाद यह दूसरा मौका है कि जब किसी स्कूल के उद्घाटन के लिए यहां हूं। छोटे बच्चों से मिलकर काफी खुशी मिलती है। ये बातें ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सेंट मैरी स्कूल के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहीं।

उन्होंने कहा कि हमें अंहकार नहीं पालना चाहिए। ऐसे लोग खत्म हो जाते

हैं। संस्कार व चरित्र का निर्माण केवल शिक्षा से किया जा सकता है। शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को अच्छे संस्कार दें। इसी से देश का भविष्य सुरक्षित होगा लेकिन विडंबना है कि कुछ शिक्षण संस्थान इस पर काम नहीं कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि बुद्धि के सुख के लिए ज्ञान चाहिए जो शिक्षण संस्थाओं से ही मिलेगा।

2001 में राजनाथ सिंह ने ही बढ़ाई थी एयरपोर्ट की फाइल

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि कुछ ही दिनों में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन होने जा रहा है। जब केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह यूपी के मुख्यमंत्री थे। तब 2001 में उन्होंने ही फाइल आगे बढ़ाई थी। उनके प्रयासों के कारण ही एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को मिला है। इस मौके पर सांसद डॉ. महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, भाजपा के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, सेंट मैरी के फाउंडर एससी शुक्ला आदि मौजूद रहे।

ट्रक में घुसी कार, महिला समेत पांच लोगों की मौत

जयपुर/चाकसू , राजस्थान के जयपुर जिले के चाकसू क्षेत्र में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में महिला सहित पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा जयपुर–टोंक रोड पर जगन्नाथ यूनिवर्सिटी के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार पीछे से ट्रक में जा घुसी। पुलिस के अनुसार, कार जयपुर से टोंक की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार सीधे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही चाकसू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत–बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक पांचों की मौत हो चुकी थी।

रोहित शेट्टी–रणवीर सिंह के मैनेजर का बयान दर्ज, पुलिस ने महत्वपूर्ण सीन को किया रीक्रिएट

मुंबई , मुंबई पुलिस ने रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग और रणवीर सिंह को मिली धमकी के मामले में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पुलिस ने रोहित शेट्टी और रणवीर सिंह के मैनेजर का बयान दर्ज कर लिया है। साथ ही रोहित शेट्टी केस से जुड़े महत्वपूर्ण सीन को भी रीक्रिएट किया गया है। रणवीर सिंह को एक अनजान नंबर से वॉइस नोट मिला, जिसमें धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और पैसे की मांग की। घटना को लेकर रणवीर ने तुरंत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को सूचना दी थी। वहीं, मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम रणवीर सिंह के पास पहुंची और उनके मैनेजर का बयान लिया। पुलिस ने जांच में यह भी पूछा कि क्या रणवीर को पहले कोई धमकी मिली

थी या कोई पुरानी घटना हुई थी। धमकी वॉइस नोट में रणवीर के स्टाफ को निशाना बनाने की बात कही गई। पुलिस ने वॉइस की जांच शुरू कर दी है और सोर्स ट्रेस करने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे से मुंबई तक स्कूटी लाने के सीन को रीक्रिएट किया। इस दौरान चार आरोपी स्वप्निल सकट, आदित्य गायकी, सिद्धार्थ येनपुरे और समर्थ पोमाजी को साथ रखा गया। पुलिस ने स्कूटी खरीदने से लेकर पुणे से सड़क मार्ग से मुंबई लाने, रुकने की जगहों और विले पार्ले स्टेशन के बाहर पार्क करने तक के हर सीन को दोहराया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि स्कूटी मुंबई पहुंचने के बाद मुख्य आरोपी शुभम लोंकर ने उन्हें 11 हजार रुपए और दिए। पहले पुलिस ने 40 हजार रुपए की बात कही थी, लेकिन जांच में कुल 51 हजार रुपए (30 हजार स्कूटी के लिए, 21 हजार खर्च) सामने आए।

पैन इंडिया हिंदुत्व की राजनीति

अजीत द्विवेदी

राजनीतिक और सामाजिक बदलाव के लिहाज से यह बहुत दिलचस्प समय दिख रहा है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी पैन इंडिया हिंदुत्व की राजनीति को स्थापित करने की बेहद आक्रामक राजनीति कर रही है। उसने 80 और 20 वाली राजनीति को उत्तर प्रदेश की सीमा से निकाल कर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पूरे देश में आजमाने की राजनीति शुरू की है तो दूसरी ओर प्रादेशिक पार्टियों के पास इसकी काट के लिए सिर्फ भाषायी और क्षेत्रीय पहचान का मुद्दा दिख रहा है। कांग्रेस इस पूरे विमर्श से बाहर हो गई दिखती है। ऐसा लग रहा है कि उसको कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि किस वैचारिक धरातल पर अपनी राजनीतिक रणनीति बनाए।

तभी देश का राजनीतिक मुकाबला भाजपा बनाम प्रादेशिक पार्टियों का बनता जा रहा है। महाराष्ट्र में इसकी एक परीक्षा हुई है और भाजपा ने मराठी मानुष की पहचान की उद्धव और राज ठाकरे की राजनीति को बुरी तरह से परास्त किया। ध्यान रहे भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति के प्रत्युत्तर के तौर पर ही उद्धव ठाकरे ने मुंबई में कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी का साथ छोड़ा और राज ठाकरे से हाथ मिलाया। उद्धव नरम तो राज ठाकरे गरम राजनीति कर रहे थे। राज ठाकरे ने उत्तर और दक्षिण भारतीयों के खिलाफ जहर उगला तो गुजरातियों के खिलाफ भी जबरदस्त आक्रामकता दिखलाई। लेकिन चुनाव जीतने के लिहाज से यह राजनीति कम पड़ गई। मुंबई में तो फिर भी उद्धव ठाकरे की जमीन कुछ बची लेकिन वहां से बाहर उनकी पार्टी पूरी तरह से साफ हो गई।

बृहन्नमुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी के चुनाव से भाषायी और क्षेत्रीय पहचान की राजनीति की सीमाएं उजागर हुई हैं। हालांकि मुंबई या किसी अन्य महानगर में पहचान की राजनीति की विफलता के आधार पर यह नहीं माना जा सकता है कि पूरे प्रदेश में यह राजनीति विफल हो जाएगी। इसका कारण यह है कि महानगरों की जनसंख्या संरचना काफी बदल गई है। मुंबई जैसे महानगर में 25 फीसदी के करीब आबादी उत्तर भारतीयों की है। लेकिन अगर पूरे महाराष्ट्र में मराठी अस्मिता के आधार पर चुनाव हो तो नतीजे अलग हो सकते हैं। तभी भाजपा भी मराठी और हिंदुत्व दोनों अस्मिताओं को एक साथ लेकर चलती है।

बहरहाल, इस राजनीति की पड़ताल अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में होने वाली है। ये पांचों राज्य भाषायी और क्षेत्रीय पहचान की राजनीति वाले राज्य हैं। पश्चिम बंगाल में बांग्ला अस्मिता का मुद्दा है तो असम में भाषा और संस्कृति दोनों राजनीतिक संघर्ष का विषय बने हैं। उधर तमिलनाडु में भाषायी और क्षेत्रीय दोनों अस्मिता का मुद्दा है तो केरल में अब जाकर सत्तारूढ़ लेफ्ट पार्टी ने मलयालम भाषा की अस्मिता को राजनीति में आजमाने का फैसला किया है। राज्य की लेफ्ट मोर्चा की सरकार ने केंद्र सरकार की ओर से हिंदी थोपे जाने का मुद्दा उठाया है और मलयालम भाषा बिल पेश किया है, जिसका मकसद मलयालम को नंबर एक और पहली भाषा बनाना है।

हालांकि इसे लेकर हिंदी की बजाय कन्नड़ से उसका टकराव शुरू हो गया है। कर्नाटक से लगती सीमा के पास बड़ा इलाका ऐसा है, जहां केरल के लोग कन्नड़ बोलते हैं। खैर यह स्थानीय मामला है, जिसे वही के स्तर पर सुलझाया जाएगा। लेकिन केरल में मलयालम भाषा का मुद्दा बनना यह दिखाता है कि पहचान की राजनीति किस दौर में पहुंच गई है और भाजपा के हिंदुत्व व विकास के नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए पार्टियां किस हद तक इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भाजपा की बढ़ती ताकत से आशंकित हैं। इसलिए वे भाजपा के हिंदुत्व और विकास के नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए इस बार सिर्फ बांग्ला भाषा, अस्मिता व संस्कृति के नैरेटिव पर भरोसा नहीं कर रही हैं, बल्कि उसमें हिंदुत्व का तड़का भी लगा रही हैं। उन्होंने बुनियादी रूप से बांग्ला अस्मिता का मुद्दा बनाया है और बांग्ला भाषियों पर दूसरे राज्यों में हो रहे कथित उत्पीड़न को बार बार उठा रही हैं। लेकिन उनको इसकी सीमा का पता है क्योंकि यह मुद्दा उठाने के बावजूद पिछले सात–आठ साल में भाजपा 40 फीसदी वोट तक पहुंच गई है और यह बात ममता बनर्जी को चिंता में डाले हुए है। इसलिए उन्होंने इस बार हिंदुत्व का मुद्दा उसमें जोड़ दिया है। उन्होंने न्यू कोलकाता टाउन में दुर्गा आंगन की नींव रखी है, जहां सरकार 332 करोड़ रुपए में सबसे बड़ा दुर्गा मंदिर बनवाएगी। इसी तरह सिलिगुड़ी में सबसे बड़े महाकाल मंदिर की नींव उन्होंने रखी। इस मंदिर पर करीब चार सौ करोड़ रुपए सरकार खर्च करेगी। इसकी नींव रखते हुए ममता ने जितनी बार 'हर हर महादेवइ और 'रक्षा करो महादेवइ के नारे लगाए उससे नरेंद्र मोदी के काशी में दिए जाने वाले भाषण याद आ गए। इससे पहले ममता दीघा में जगन्नाथ धाम बनवा चुकी हैं।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भाजपा की बढ़ती ताकत से आशंकित हैं। इसलिए वे भाजपा के हिंदुत्व और विकास के नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए इस बार सिर्फ बांग्ला भाषा, अस्मिता व संस्कृति के नैरेटिव पर भरोसा नहीं कर रही हैं, बल्कि उसमें हिंदुत्व का तड़का भी लगा रही हैं। उन्होंने बुनियादी रूप से बांग्ला अस्मिता का मुद्दा बनाया है और बांग्ला भाषियों पर दूसरे राज्यों में हो रहे कथित उत्पीड़न को बार बार उठा रही हैं। लेकिन उनको इसकी सीमा का पता है क्योंकि यह मुद्दा उठाने के बावजूद पिछले सात–आठ साल में भाजपा 40 फीसदी वोट तक पहुंच गई है और यह बात ममता बनर्जी को चिंता में डाले हुए है। इसलिए उन्होंने इस बार हिंदुत्व का मुद्दा उसमें जोड़ दिया है।

उन्होंने न्यू कोलकाता टाउन में दुर्गा आंगन की नींव रखी है, जहां सरकार 332 करोड़ रुपए में सबसे बड़ा दुर्गा मंदिर बनवाएगी। इसी तरह सिलिगुड़ी में सबसे बड़े महाकाल मंदिर की नींव उन्होंने रखी। इस मंदिर पर करीब चार सौ करोड़ रुपए सरकार खर्च करेगी। इसकी नींव रखते हुए ममता ने जितनी बार 'हर हर महादेवइ और 'रक्षा करो महादेवइ के नारे लगाए उससे नरेंद्र मोदी के काशी में दिए जाने वाले भाषण याद आ गए। इससे पहले ममता दीघा में जगन्नाथ धाम बनवा चुकी हैं। उन्होंने दुर्गापूजा में पंडालों को पहले से ज्यादा पैसे बांटे हैं। सो, वे भाषायी और सांस्कृतिक अस्मिता के साथ हिंदुत्व का मुद्दा जोड़ रही हैं ताकि भाजपा का मुकाबला कर सकें। भाजपा महाराष्ट्र और गुजरात में ऐसे चुनाव लड़ती है।

उधर एमके स्टालिन पूरी तरह से भाषायी और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे पर भाजपा से टक्कर लेते दिख रहे हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि उनके प्रदेश की भौगोलिक स्थिति पश्चिम बंगाल से भिन्न है और जनसंख्या संरचना भी उससे अलग है। बंगाल से शेष भारत की भौगोलिक दूरी कभी भी वैसी नहीं रही है, जैसे विंध्य पार के राज्यों की है और ऊपर से बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी होने की वजह से ममता की मुश्किलें स्टालिन के मुकाबले ज्यादा हैं। बहरहाल, स्टालिन पूरी तरह से तमिल अस्मिता और भौगोलिक विभाजन पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका जवाब देने के लिए भाजपा के पास सीधे कोई मुद्दा नहीं है और इसलिए उसने अन्ना डीएमके से तालमेल करके उसको आगे किया। भाजपा का कुछ काम नई बनी पार्टी के नेता विजय भी कर सकते हैं। फिर भी बाकी राज्यों के मुकाबले तमिलनाडु का मामला अलग है। वहां भाजपा के पास भाषायी और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे का जवाब नहीं है।

असम की स्थिति तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के बीच वाली है। असमिया भाषा और अहोम संस्कृति का मुद्दा असम में केंद्रीय नहीं है। वहां भाजपा ने बड़ी होशियारी से सांप्रदायिकता के एजेंडे को घुसपैठ से जोड़ दिया है। वह जनसंख्या संरचना बदलने और घुसपैठियों द्वारा भारत की लाखों एकड़ जमीन कब्जा करने का मुद्दा बना कर लड़ रही है। ध्यान रहे असम में भी 30 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम आबादी है। तभी भाजपा घुसपैठ का मुद्दा बना कर 70 फीसदी हिंदुओं में से ज्यादातर का वोट लेने में कामयाब हो जाती है। इस काम में उसे असम गण परिषद और बीपीएफ या यूपीपीएल जैसी क्षेत्रीय पार्टियों का साथ मिल जाता है। इस बार कांग्रेस के गौरव गोगोई ने असम की सांस्कृतिक व जातीय पहचान का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टियों से तालमेल किया है। इससे वहां की लड़ाई दिलचस्प हो गई है।

विदेशी या विजातीय भाषा

डॉ. सुधीर सक्सेना

हिन्दी के प्रचार–प्रसार की बात कही ओर समस्त भारतीय भाषाओं के लिए एक लिपि (देवनागरी) की अनिवार्यता की बात भी की। उनके शिष्य काका कलेलकर ने इस दिशा में काफी प्रयास किये। यह भारतीय भाषाओं के प्रति अनुराग से उपजा साहस ही था कि स्वतंत्रता की बेला में जब बीबीसी का संवाददाता उनसे साक्षात्कार के लिये पहुंचा तो उन्होंने साहसपूर्वक दो टूक कहा कि जाओ, दुनिया से कह दो कि गांधी अंग्रेजी भूल गया। इस बात में शक नहीं कि हिन्दी वैश्विकता के सन्दर्भ में हमें एक नहीं अनेक गांधी चाहिये। हमें बहुत सारे गांधियों की आवश्यकता है। यदि हमें हिन्दी चाहिये तो हमें बहुत सारे गांधी चाहिये, जो सविनय – साग्रह देश–देशांतर में हिन्दी का विस्तार कर सकें। भाषा के विविध आयाम होते हैं।

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल –"आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रणेता भारतेन्दु हरिशचंद्र ने जब यह बात कही थी, तब वह सभ्यता और संस्कृति के मर्म को उद्घाटित क रहे थे। देश–दुनिया पर नजर डालें तो हम सहज ही समझ सकते हैं कि विदेशी या विजातीय भाषा किस तरह वैयक्तिक, सामूहिक और राष्ट्रीय विकास में अवरोध व विकार उत्पन्न करती है। वह असमान विकास, जातीय और भौगोलिक संघर्षों और अनेक विभेदों को जन्म देती है। बहुधा वह भाषायी समूह या समूहों में हीनता बोध भी उत्पन्न करती है।

औपनिवेशिक काल में हिन्दी प्रवासी श्रमिकों या गिरमिटियों के जरिये अनेक देशों में पहुँच गई थी, लेकिन हिन्दी को वैश्विक पटल पर प्रतिष्ठित करने का महत्वपूर्ण और अपूर्व उपक्रम सन 1975 में तब हुआ, जब मराठीभाषी साहित्यकार अनंत गोपाल शेवड़े ने नागपुर में विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया। इस आयोजन में दुनिया के तमाम देशों से लोग आये। इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने किया था। लोठार लुत्थे और ओदोलन स्मेकेल जैसे विद्वानों और अभिमन्यु अनत जैसे लेखकों से मेरी मुलाकात वहीं हुई थी।

बहरहाल, हिन्दी की महत्ता को तो बरसों पहले से सारे मनीषी बूझ रहे थे, किन्तु इस दिशा में सबसे ठोस और प्रभावी उपक्रम महात्मा गांधी ने किया वह सन 1918 में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के उदघाटन के लिये इंदौर आये थे। उन्होंने हिन्दी के प्रचार–प्रसार की बात कही ओर समस्त भारतीय भाषाओं के लिए एक लिपि (देवनागरी) की अनिवार्यता की बात भी की। उनके शिष्य काका कलेलकर ने इस दिशा में काफी प्रयास किये। यह भारतीय भाषाओं के प्रति अनुराग से उपजा साहस ही था कि स्वतंत्रता की बेला में जब बीबीसी का संवाददाता उनसे साक्षात्कार के लिये पहुंचा तो उन्होंने साहसपूर्वक दो टूक कहा कि जाओ, दुनिया से कह दो कि गांधी अंग्रेजी भूल गया।

इस बात में शक नहीं कि हिन्दी वैश्विकता के सन्दर्भ में हमें एक नहीं अनेक गांधी चाहिये। हमें बहुत सारे गांधियों की आवश्यकता है। यदि हमें हिन्दी चाहिये तो हमें बहुत सारे गांधी चाहिये, जो सविनय – साग्रह देश–देशांतर में हिन्दी का विस्तार कर सकें। भाषा के विविध आयाम होते हैं। वह अभिव्यक्ति का माध्यम मात्र नहीं है, वरन संस्कृति का सेतु, सम्पर्क साधन और अस्मिता का प्रतीक भी है। वैश्विक मंच पर वह किसी देश की पहचान भी है। गौर करें कि आज वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की स्थिति क्या है? विश्व के सर्वाधिक आबादी के देश की सर्वाधिक व्यवहत भाषा यूएनओ में पैठ तो दूर, प्रवेश से वंचित है। विश्व हिन्दी सम्मेलन दुनियाभर के हिन्दी प्रेमियों के जमावड़े हैं, लेकिन वे योरोप, अफ्रीका अथवा लातिनी अमेरिका में हिन्दी के प्रति उत्सुकता जगाने में कमोबेश विफल रहे हैं। हिन्दी सिर्फ अकादेमिक संस्थाओं में पढ़ाये जाने तक सीमित है। सन 70 की परवर्ती दहाई में लौटें तो बहुत कुछ स्वागतेय हुआ था। अटल बिहारी वाजपेयी ने चार अक्टूबर सन 1977 को संयुक्त राष्ट्र संघ में पहला भाषण दिया था और यह भाषण उन्होंने हिन्दी में दिया था। इसके बाद उन्होंने 10 अक्टूबर और 24 सितंबर, 1998 में यूएनओ में भाषण दिया। पहले दो भाषण उन्होंने बतौर विदेश मंत्री दिये और तीसरा भाषण उन्होंने बहैसियत प्रधानमंत्री दिया। गौरतलब है कि उन्होंने अपना पहला भाषण हिन्दी में दिया था, मगर बाद के दोनों भाषण उन्होंने अंग्रेजी में दिये। क्यों? प्रश्न महत्वपूर्ण है। उत्तर तलाशिये। बहुत कुछ समझ में आ जायेगा। प्रसंगवश यह भी मायने रखता है कि विदेश नीति में, विदेश मंत्रालय में और दुनिया के तमाम देशों में स्थित भारत के दूतावासों में हिन्दी की क्या हैसियत है? इन संकायों में हिन्दी में सोचने, हिन्दी में बोलने और हिन्दी में प्रश्नोत्तरी की क्या स्थिति है?

इसका इकलौता उजला पक्ष यह है कि यह वैश्विक संदर्भों में हिन्दी की महत्ता और स्वीकार्यता को व्यक्त करता है, किन्तु इसके साथ–साथ हिन्दीजनों के सम्मुख कई कर्त्तव्य और चुनौतियां भी खड़ी करता है। क्या कोई अन्य दिवस अपनी भाषा से जुड़ा दिवस मनाता है? चीन में मंदारिन, रूस में रूसी, स्पने में स्पेनिश, फ्रांस में फ्रेंच या इस्त्रायल में हिब्रू डे मनाया जाता है? ये सारे देश राजनीतिक उथलपुथल के भी शिकार रहे हैं। स्वाभिमानी नागरिक न सिर्फ अपनी भाषा को जीवित रखते हैं, बल्कि उसकी प्रतिष्ठा और परिमार्जन में कोई कोर कसर नहीं उठा रखते। यहाँ हिन्दी भाषी देश की सीमाओं के भीतर ही हीनताबोध से ग्रस्त नजर आते हैं। वे प्रतिष्ठित मंचों पर हिन्दी बोलने में लजाते हैं। हिन्दी पट्टी की सांस्कृतिक राजधानी प्रयाग से निकले 'बिग बी' बालीवुड में ज्यों–ज्यों कामयाबी की सीढ़िया चढ़ते हैं, समारोहों में हिन्दी की जगह अंग्रेजी बोलते दीखते हैं। सिनेमा हो या खेल हो या कोई और क्षेत्र अधिकांश सेलीब्रिटीज अंग्रेजी बोलने में फख्र महसूस करते हैं। भाषा से जुड़ा एक और पहलू यह भी कि विज्ञान या चिकित्सा की शिक्षा और दुनिया में हिन्दी की स्थिति क्या है? शोधार्थियों या जिज्ञासुओं के लिये कितनी स्तरीय व प्रामाणिक सामग्री हिन्दी में उपलब्ध है? क्या हम हिन्दी भाषियों को सन्दर्भ जुटाने के लिये अंग्रेजी की शरण में नहीं जाना पड़ता? इस पर भी गौर करें कि नौकरशाही और कार्पोरेट की दुनिया में हिन्दी की क्या स्थिति है? क्या वहां हिन्दी की अर्जियां सकारी जाती हैं अथवा हिन्दी में संवाद को तरजीह दी जाती है? भाषा बहता नीर है, लेकिन आज भाषा के साथ क्या सलूक हो रहा है हिन्दी और उर्दू परस्पर हमजोली हैं, लेकिन भाषा की शुद्धता के नाम पर हिन्दी को दुर्बल और हास्यास्पद बनाने का तमाशा जारी है। भाषा को धर्म या संप्रदाय से जोड़ना नितांत आत्मघाती और मूढ़ता का परिचायक है। जरूरत भाषा को बचाने और अर्थगर्भी बनाने की की नहीं, अधिक से अधिक व्यवहार से उसे व्यापक, गहरा और अर्थगर्भी बनाने की है। सच है कि समाज भाषा को बनाता है और भाषा को समाज बनाती है। दोनों ठौर उदारता और खुलापन जरूरी है। वसुधैव कुटुबकम के लिये उदारचरित जरूरी शर्त है। भाषा पंचमेल खिचड़ी की तरह है। उसमें तरह–तरह के रंग, स्वाद और महक की दालें मिलाइये, लेकिन उसे गर्द और कंकड़ों से बचाये रखना होगा। आज हिन्दी में पत्र–पत्रिकाओं की क्या स्थिति है? नामीगिरामी लोकप्रिय पत्रिकायें बंद हो चुकी हैं। बीसवीं शती में हिन्दी के कई जागृत केंद्र थे; बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद से लेकर लखनऊ वाराणासी, इलाहाबाद, भोपाल, इंदौर, पटना, कानपुर और अनेक। आज इन केन्द्रों की क्या स्थिति है? डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय सही कहते थे कि केन्द्रों की बहुलता हिन्दी–जगत को भास्वर करती थी।

हिन्दी का पाट चौड़ा है, लेकिन गहरा, निर्मल और प्रवहमान नहीं, जबकि वह विकेंद्रित होकर ही बच और बढ़ सकेगी। हिन्दी के किसी साहित्यकार को नोबेल पुरस्कार नहीं मिलना भी विचारणीय है। यूनेस्को ने सन 2003 में दिल्ली को विश्व पुस्तक राजधानी चुना था। दो दहाई बाद भी क्या दिल्ली दुनिया में सिरमौर है?

तो 10 जनवरी को हम विश्व हिन्दी दिवस मनाने के अधिकारी है या नहीं और उसके तकाजों को कितना पूरा कर रहे हैं? हिन्दी अपने घर प्रवासिनी है या नहीं का उत्तर भी आप ही देंगे।

जन समस्याओं का हल सांत्वना का भ्रम

सालाना बजट आज महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां–तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है। बुनियादी आर्थिक समस्याओं के हल की बात उसके दायरे से बाहर हो चुकी है।

कांग्रेस की राय में केंद्रीय बजट अर्थव्यवस्था की बुनियादी चुनौतियों से आंख मिलाने में नाकाम रहा। दरअसल, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने तो यहां तक कहा कि वित्त मंत्री ने उन चुनौतियों को सिरे से नजरअंदाज कर दिया। मसलन, अमेरिकी टैरिफ से कारखाना उत्पादकों और निर्यातकों के सामने आई चुनौतियों, व्यापार घाटे, निम्न ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन, एफडीआई की अनिश्चितता, राजकोषीय सेहत में सुधार की धीमी गति, महंगाई के सरकारी आंकड़ों एवं अनुभवजन्य स्थिति में फर्क, लाखों एमएसएमई इकाइयों के बंद होने, बेरोजगारी, और शहरी बुनियादी ढांचे में लगातार गिरावट पर निर्मला सीतारमन ने चुप्पी साध ली। ये आलोचना वाजिब है। यह हकीकत है कि आज सालाना बजट महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां–तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है।

मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था जब असल में मोनोपॉली पूंजीवाद का रूप ले चुकी हो, तो बिना उस ढांचे को चुनौती दिए सरकारें अक्सर ढांचागत समस्याओं का हल निकालने में अक्षम हो जाती हैं। नतीजतन, बजट के जरिए शायद ही बाजार में मांग और निजी निवेश की स्थितियां बनाई जा सकती हैं। बिना ऐसा हुए ना तो रोजगार सृजन संभव है, और ना ही मानव विकास या रहन–सहन की बेहतर सूरत बनाना। देसी बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं नहीं होगी, तो भारतीय उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में टिकने की बात महज एक खामख्याली ही है। बाकी जहां तक व्यापार घाटा, पर्याप्त मात्रा में एफडीआई ना आना या पोर्टफोलियो इन्वेस्टरों के भारत से पैसा निकालने, या रुपये की कीमत मे गिरावट की बात है, तो वे जारी हालात के नतीजे हैं। यथार्थ तो यह है कि लगातार अपनी ताकत कॉरपोरेट सेक्टर को ट्रांसफर करती गई सरकार की अब ऐसे मसलों का हल ढूंढने की काबिलियत अब काफी हद तक क्षीण हो चुकी है।

इस हाल में आबादी के कुछ समूहों को नकदी हस्तांतरण कर चुनावी लाभ की योजनाएं शुरू करने से आगे कुछ करने को वह सोच नहीं पाती। उन योजनाओं के जरिए जन समस्याओं का हल करने की सांत्वना का भ्रम वह पैदा करती है। इस बार भी वह इतना ही कर पाई।

नागबंधम से ऋषभ साहनी का खतरनाक लुक

अभिषेक नामा की मोस्ट अवेटेड माइथोलॉजिकल एक्शन ड्रामा नागबंधम, जिसमें वीरत कर्णा लीड रोल में नजर आएंगे, इस समर ग्रैंड पैन–इंडिया रिलीज़ के लिए तैयार है। 15 तारीख को महाशिवरात्रि के शुभ मौके पर फिल्म का टीज़र रिलीज़ होने वाला है, जिससे पहले मेकर्स ने इस एपिक कहानी के एक अहम किरदार का फर्स्ट लुक भी सामने ला दिया है, जिसने एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

फाइटर में अपने दमदार अंदाज़ से पहचान बना चुके ऋषभ साहनी ने नागबंधम में भी ज़बरदस्त असर छोड़ा है। फिल्म में वह कुख्यात अफगान सुल्तान अब्दाली के रोल में नजर आएंगे। 1750 के दौर पर बनी यह कहानी भारत में अब्दाली के हमलों को दिखाती है, जहां मंदिरों की लूट, दौलत की भूख और उसकी बेरहम फितरत को सामने रखा गया है। फर्स्ट–लुक पोस्टर एक जबरदस्त और डरावने माहौल को दिखाता है, जहां बर्फ से ढका जंग का मैदान तूफानी हवाओं से घिरा है। ऋषभ मिड–चार्ज में नजर आते हैं, हाथ में खून से सना विशाल बैटल एक्स लिए हुए, आंखों में खौफ और जुनून साफ झलकता है। उनके पीछे विशाल सेना आगे बढ़ती दिखती है, ठंडी हवाओं में लहराते हरे जंगी झंडे, तीरंदाज, योद्धा और विशाल युद्ध हाथी इस हाई–वोल्टेज वॉर कैनवास को और भव्य बना देते हैं। खतरे का एहसास और बढ़ाने के लिए चारों ओर चमकती आंखों वाले भेड़ियों का झुंड नजर आता है, जो ताकत, तबाही और आने वाले विनाश का माहौल रच देता है।

भारत बनाम पाकिस्तान मैच पर संकट के बादल, मौसम विभाग की चेतावनी

नईदिल्ली,। टी–20 विश्व कप 2026 में आज 15 फरवरी को भारतीय क्रिकेट टीम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बीच मुकाबला निर्धारित है। इस महामुकाबले का दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों को इंतजार है।

हालांकि, अब इस मुकाबले पर संकट के बादल छा गए हैं। दरअसल, यह मैच श्रीलंका के कोलंबो स्थित आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा, लेकिन वहां की मौसम विभाग ने बारिश की आशंक जताते हुए लोगों से मौसम की स्थित पर नजर रखने को कहा है।

मौसम विभाग द्वारा जारी मौसम बुलेटिन में कहा गया है कि 15 फरवरी के आसपास दक्षिण–पूर्वी बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव प्रणाली विकसित हो सकती है। ऐसे में लोगों से आधिकारिक पूर्वानुमानों और अपडेट पर नजर रखने का आग्रह किया गया है।

टी20 वर्ल्ड कप : कनाडा को पांच विकेट से हराकर यूएई ने दर्ज की पहली जीत

नई दिल्ली , जुनैद सिद्दीकी के पांच विकेट के बाद आर्यांश शर्मा (53 गेंद में नाबाद 74) और शोएब खान (29 गेंद में 51 रन) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत संयुक्त अरब अमीरात ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में शुक्रवार को कनाडा को पांच विकेट से पराजित कर पहली जीत हासिल की.

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने टी–20 विश्व कप में शुक्रवार को जीत का खाता खोल दिया. उसने जुनैद सिद्दीकी के पांच विकेट के बाद आर्यांश शर्मा के नाबाद 74 रन और शोएब खान के 51 रन की पारियों से ग्रुप डी मैच में कनाडा को पांच विकेट से हरा दिया. सिद्दीकी का पंच : 'प्लेयर ऑफ द मैचझ् सिद्दीकी ने चार ओवर में 35 रन देकर पांच झटके. इससे पहले यूएई ने कनाडा की पारी सात विकेट पर 150 रन पर रोक दी. फिर यूएई ने दो गेंद रहते पांच विकेट पर 154 रन बनाकर शानदार जीत दर्ज की.दोनों टीमों के बीच इस प्रारूप के दो मैचों में यूएई की दूसरी जीत है. आर्यांश ने 53 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए जबकि शोएब ने 29 गेंद की पारी में चार चौके और इतने ही छक्के लगाकर लक्ष्य का पीछा करते समय दबाव हावी नहीं होने दिया. दोनों ने तब टीम को संभाला जब 13वें ओवर में स्कोर 66 रन पर चार विकेट हो गया था.

बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने आ रही ओ रोमियो

विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म ओ रोमियो की रिलीज में सिर्फ 1 दिन बाकी रह गया है। 13 फरवरी को रिलीज हो रही फिल्म में, शाहिद कपूर मुख्य किरदार में नजर आएंगे जिनका कबीर सिंह वाला अंदाज दोबारा देखने के लिए फैंस उतावले हैं। 10 फरवरी से फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई थी, जिसके जरिए निर्माताओं की झोली भरनी शुरू हो चुकी है। आइए जानते हैं ओ रोमियो कैसा प्रदर्शन कर रही है?

सैकनिल्क के मुताबिक, ओ रोमियो ने एडवांस बुकिंग में 51,150 टिकटों की बिक्री कर ली है। फिल्म को फिलहाल 8,795 शो मिले हैं जिसके बाद कुल ग्रॉस कलेक्शन 1.21 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं ब्लॉक सीटों के साथ फिल्म ने रिलीज से पहले कुल 3.29 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का आंकड़ा 2 करोड़ के करीब जा सकता है। यह पहले दिन 10 से 15 करोड़ रुपये के बीच ओपनिंग ले सकती है।ओ रोमियो में शाहिद को गैंगस्टर उस्तरा नाम के किरदार में देखा जाएगा, जिसका गुस्सैल स्वभाव और टैटू भरा लुक फैंस का ध्यान खींच रहा है। तृप्ति डिमरी, विक्रांत मैसी, अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, दिशा पाटनी समेत कई सितारे भी फिल्म का हिस्सा हैं।

पति पत्नी और वो दो की रिलीज तारीख आई

साल 2019 में एक फिल्म आई थी पति पत्नी और वो, जो उस साल की हिट फिल्मों में से एक थी। इसके गाने भी हिट थे। फिल्म में पति कार्तिक आर्यन बने थे, उनकी पत्नी भूमि पेडनेकर बनी थीं और वो का किरदार अनन्या पांडे ने निभाया था। अब इसी फिल्म का सीक्वल आ रहा है, जिसका नाम है पति पत्नी और वो दो। इस फिल्म के हीरो आयुष्मान खुराना हैं और अब इसकी रिलीज तारीख सामने आ गई है। जाने–माने फिल्म समीक्षक और ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर साझा कर इसकी रिलीज तारीख का ऐलान किया है। इसी के साथ ये भी पता चला है कि इस बार फिल्म में दो नहीं, बल्कि तीन–तीन अभिनेत्रियां होंगी। एक हैं सारा अली खान, दूसरी हैं रकुल प्रीत सिंह और तीसरी हैं वामिका गब्बी। इन तीनों हीरोइनों के साथ आयुष्मान रोमांस करते दिखेंगे, जबकि पति पत्नी और वो में कार्तिक के साथ दो अभिनेत्रियां थीं।

टी—20 विश्व कप 2026: ब्लेसिंग मुजारबानी ने झटका पहला 4 विकेट हॉल, पूरे किए 100 विकेट

नईदिल्ली ,। टी–20 विश्व कप 2026 के 19वें मुकाबले में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम ने बड़ा उलटफेर कर ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को 23 रन से हरा दिया। साल 2007 के बाद ये पहला मौका है जब जिम्बाब्वे ने कंगारू टीम को इस प्रारूप में हराया है। मुकाबले में ब्लेसिंग मुजारबानी ने घातक गेंदबाजी की और पहली बार अपने टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 4 विकेट लिए। उन्होंने इस दौरान अपने 100 विकेट भी पूरे किए। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर नजर डालते हैं।

ऑस्ट्रेलिया 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थी और उनकी पूरी टीम 19.3 ओवर में सिर्फ 146 रन बनाने के बाद ऑलआउट हो गई। तेज गेंदबाज मुजारबानी ने 4 ओवर में सिर्फ 17 रन खर्च किए और 4 विकेट चटकाए। उनकी इकॉनमी रेट 4.20 की रही। उन्होंने जोश इंग्लिश (8), टिम डेविड (0), मैट रेनशॉ (65) और एडम जैम्पा (2) को अपना शिकार बनाया। उनके अलावा ब्रैड इवांस ने 3 विकेट अपने नाम किए।मुजारबानी ने टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 विकेट भी पूरे कर लिए। वह जिम्बाब्वे के लिए ये कारनामा करने वाले सिर्फ तीसरे गेंदबाज बने हैं। उनसे पहले सिकंदर रजा (103) और रिचर्ड नगारावा (111) ने यह उपलब्धि हासिल की है। मुजारबानी ने अपना पहला टी–20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2018 में खेला था। उन्होंने 85 मैच खेले हैं और इसकी 82 पारियों में 21.08 की औसत से 100 विकेट लेने में सफल रहे हैं। उनकी इकॉनमी 7.10 की रही है।

मुजारबानी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अब तक 3 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 9 विकेट चटकाने में सफल रहे हैं। उनकी इकॉनमी रेट 6.33 की रही है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 8.44 की शानदार औसत के साथ गेंदबाजी की है। मुजारबानी ने अपने टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर में सबसे ज्यादा 16 विकेट अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ लिए हैं। इस मैच से पहले उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन बांग्लादेश (3/14) के खिलाफ आया था।

मुजारबानी ने टी–20 विश्व कप में अब तक 10 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 12.21 की औसत और 6.82 की इकॉनमी से 19 विकेट पूरे कर लिए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के इतिहास में जिम्बाब्वे के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन भी किया। इस मामले में उन्होंने वेलिंगटन मसाकाद्जा का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने साल 2016 में स्कॉटलैंड के खिलाफ 4/28 के आंकड़े दर्ज किए थे।

एक नजर

अनुराग भारद्वाज अध्यक्ष व जीवन सिंह बनें मंत्री

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संगठन की पुरानी कार्यकारी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। इस मदौरान द्विवार्षिक चुनाव प्रक्रिया में अनुराग भारद्वाज को क्षेत्रीय अध्यक्ष व जीवन सिंह को मंत्र पद की जिम्मेदारी दी गई। मुख्य चुनाव अधिकारी देवीराम सेमवाल व सहायक चुनाव अधिकारी प्रेम सिंह चौहान की देखरेख में हुए चुनाव में अन्य पदों पर हितेष कुमार व नितिन रावत को वरिष्ठ उपाध्यक्ष का दायित्व दिया गया। इसके अलावा विपिन कुमार को क्षेत्रीय संयुक्त मंत्री, प्रीति को क्षेत्रीय संगठन मंत्री, नयन सिंह असवाल को कोषाध्यक्ष व राजेश कश्यप को क्षेत्रीय प्रचार मंत्री चुना गया। चुनाव अधिकारी देवीराम सेमवाल ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए अनुराग भारद्वाज व अशोक कुमार के मध्य चुनाव करवाया गया, जिसमें दोंनो को बराबर मत मिले। अंत में पर्ची के आधार पर प्रथम वर्ष के लिए अनुराग भारद्वाज को क्षेत्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया। कहा कि अन्य पदों पर सभी पदाधिकारियों को निर्विरोध चुना गया।

पुलवामा के शहीदों को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पुलवामा दिवस की सातवीं वर्षगांठ पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने शहीदों को याद किया। कहा कि पुलवामा में भारतीय सेना के चालीस सैनिक शहीद हो गए थे। देश की रक्षा में दिए गए सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मालवीय उद्यान स्थित कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत ने कहा कि देश की रक्षा में दिए जा रहे सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि पुलवामा घटना को केंद्र सरकार की एजेंसियों की भारी चूक माना गया। लेकिन, अभी तक केंद्र सरकार देश को जानकारी देने में असफल साबित हो रही है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में आरडीएक्स कहां से आया। कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से आतंकवाद का विरोध करती रही है। कहा कि देश की सेना की किसी भी आतंकी हमले का मुंहतोड़ देने के लिए हमेशा तैयार रहती है। इस मौके पर पातीराम ध्यानी, बलबीर सिंह रावत, रणवीर सिंह रावत, प्रदीप नेगी, सुरेंद्र सिंह रावत, लक्ष्मी चौहान, कृपाल सिंह, डा. विनोद नेगी, देवेंद्र रौथाण मौजूद रहे।

आदिबदरी के गांवों में नहीं होगी बिजली की दिक्कत

चमोली। तहसील के 60 से अधिक गांवों में अब बिजली की दिक्कत नहीं होगी। इन गांवों की झूलती लाइनों को बदलकर निगम की ओर से बंच केबल लगाई गई है। साथ ही आदिबदरी और चांदपुर गढ़ी में नए ट्रांसफार्मर भी लगाए गए हैं। ऊर्जा निगम की ओर से आदिबदरी बाजार, पीपलचट्टी सहित अधिकांश गांवों में बंच केबल बिछाने का काम पूरा कर लिया गया है। निगम के अवर अभियंता आरपी मिश्रा ने बताया कि भलसों, नगली, ढ़मकर, पज्याणा सहित सभी गांवों में बंच केबल बिछाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि आदिबदरी और चांदपुर गढ़ी में नए ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। कहा कि बंच केबलों के लगने से अब न तो तारों के आपस में टकराने की समस्या रहेगी और न बार बार पेड़ों को लॉपिंग करने की परेशानी होगी। वहीं बिजली चोरी पर भी रोक लगेगी। लंबे समय से क्षेत्र के लोग बिजली के झूलते तारों को ठीक करने व खंबों को बदलने की मांग करते आ रहे थे।

30 से अधिक लोगों ने सहकार भारती की सदस्यता ली

चमोली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख संगठन सहकार भारती की ओर से आयोजित कार्यशाला में नागरिकों के आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। संगठन के मूल मंत्र बिना संस्कार नहीं सहकार को अपनाते हुए करीब 30 से अधिक लोगों ने सहकार भारती की सदस्यता ली। सहकार भारती के प्रदेश अध्यक्ष विनोद गौड़ की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि वर्ष 1978 से इस संगठन द्वारा भारत में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने की पहल के साथ ही नागरिकों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ब्लाक अध्यक्ष काजल भंडारी ने बताया कि इसका लक्ष्य सहकारी समितियों का प्रचार, कौशल विकास, प्रशिक्षण, उत्पादकता में वृद्धि, लोगों की आय बढ़ाना, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना, बाजार नेटवर्क बढ़ाना और हर स्तर पर परस्पर सहयोग बनाए रखना है। कार्यक्रम में प्रदेश सह प्रमुख मनीराम नौटियाल,आशा, कविता चंदोला आदि मौजूद थे।

नहरों पर कब्जा, सड़क पर बह रहा पानी

भाबर क्षेत्र में नहरों में कब्जा होने से सड़क पर जमा हो रहा सिंचाई का जल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्रों में खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए बनाई गई नहरों पर अतिक्रमण हो गया है। नतीजा, सिंचाई का जल खेतों में पहुंचने के बजाय सड़क पर ही बह रहा है। जगह-जगह सड़क पर जमा पानी के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। नहरों की सफाई व अतिक्रमण हटाने के लिए लगातार शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम लापरवाह बना हुआ है।

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत नाली चौक होने से सड़क पर बहता सिंचाई का पानी

दुर्गापुरी, मोटाढांक, किशनपुर, जशोधरपुर सहित अन्य क्षेत्रों में बड़ी संख्या में काश्तकार खेती करते हैं। काश्तकारों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए जगह-जगह ट्यूबवैल बनाए गए हैं। नहरों के माध्यम से यह पानी खेतों तक पहुंचता है। लेकिन, वर्तमान में कई स्थानों पर लोगों ने नहरों में अतिक्रमण कर दिया है। जिसके कारण पानी खेतों तक पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रहा। साथ ही कई लोग घरों से निकलने वाले कूड़े को भी नहरों में डाल रहे हैं। जिससे नहर चोक हो रही है। इन दिनों सुबह से शाम तक मोटाढांग से किशनपुर की ओर जाते समय सड़क पर यह नजारा आसानी से देखा जा सकता है। कई स्थानों पर आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। लोगों को बीच सड़क से होकर गुजरना पड़ता है। जिससे हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। काश्तकार श्याम सिंह, मुन्ना सिंह ने बताया कि कई लोगों ने स्थाई निर्माण कर नाली का आकार छोटा कर दिया है, जिससे पानी सड़क पर बह रहा है। इस संबंध में कुछ दिन पूर्व अधिकारियों को भी ज्ञापन दिया गया था। लेकिन, स्थिति जस की तस बनी हुई है।

जलभराव को रोकने के लिए योजना तैयार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में जलभराव की स्थिति पर विराम लगाने के लिए योजना तैयार की गई है। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत प्रथम चरण में वार्ड नंबर चार से 26 तक स्टार्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम का कार्य किया जाना है। योजना को धरातल पर उतारने के लिए पार्षदों को जिम्मेदारी दी गई।

कोटद्वार , प्रेक्षागृह में ड्रेनेज सिस्टम को लेकर जानकारी देते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने योजना की जानकारी दी। कहा कि शहर में बरसात के समय जलभराव एक चुनौती बनती है। इस समस्या से निजात दिलवाने के लिए नगर निगम की ओर से योजना तैयार की गई है। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत वार्ड नंबर चार से 26 तक प्रस्तावित स्टार्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम से संबंधित कार्य करवाया जाएगा।

इस दौरान विशेषज्ञ संस्था ने डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) एवं प्रथम चरण में प्रस्तावित कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। कहा कि जल्द ही धरातल पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा, इसके लिए जलभराव वाले क्षेत्रों को भी चिह्नित किया गया है।

बाड़ा गांव में आतंक मचाने वाला गुलदार ढेर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी के बाड़ा गांव में आतंक का पर्याय बन चुके गुलदार को ढेर कर दिया गया है। मशहूर शिकारी जाय हुकिल, साथी शिकारी व वन विभाग की टीम को सफलता मिली है। इससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अभी भी टीम क्षेत्र में तैनात रहेगी। उन्होंने ग्रामीणों को अभी भी सतर्कता बरतने की अपील की है।

पौड़ी के बाड़ा गांव में बीते 15 जनवरी की सुबह गुलदार ने करीब 6 बजे एक नेपाली मूल के श्रमिक को मार डाला था। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग के साथ ही मौके पर पहुंचे अन्य अधिकारियों का घेराव किया था, जिस पर यहां गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाने के साथ ही ट्रेप कैमरे व विभागीय शूटर तैनात किए थे। गुलदार के नहीं पकड़े जाने से आक्रोशित ग्रामीणों ने डीएफओ कार्यालय पहुंचकर प्राइवेट शूटर तैनात करने की मांग को लेकर डीएफओ का घेराव किया था। इसके बाद वन विभाग ने यहां विभागीय टीम के साथ ही प्राइवेट शूटर तैनात किए थे। डीएफओ गढ़वाल महातिम यादव ने बताया कि बाड़ा में गुलदार को पकड़ने के लिए पिजरे लगाकर भरसक प्रयास किया, लेकिन गुलदार पिंजरे में कैद नहीं हो पाया। बताया कि गुलदार को अंतिम विकल्प के तौर पर ढेर करने के लिए विभागीय व प्राइवेट शूटर तैनात किए थे। उन्होंने बताया कि गुलदार को बीती शुक्रवार की रात को अंतिम विकल्प के तौर पर नष्ट कर दिया है। बताया कि मारा गया गुलदार मादा है, जिसकी उम्र 6 से 7 साल की है। बताया कि ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अभी भी टीम क्षेत्र में तैनात रहेगी।

यातायात नियमों के बारे में दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत परिवहन विभाग की ओर से जीएमओयू व परिवहन निगम को यातायात सुरक्षा की जानकारी दी गई। कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन करना आवश्यक है।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) विमल पांडे ने किया। उन्होंने सभी चालक-परिचालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। कहा कि वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने वाहन के चालक व परिचालकों को वोमिटिंग सिक बैग भी वितरित किए। साथ ही दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट का महत्व भी समझाया। इस मौके पर एआरएम अनुराग पुरोहित, जीएमओयू के अध्यक्ष गजे सिंह रौथाण, परिवहन अधिकारी जयंत वशिष्ठ, देवेंद्र भट्ट, अंकित डोभाल, हरीश मेहरा मौजूद रहे।

आईएचएमएस में विद्यार्थियों ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित की गई तीन दिवसीय कार्यशाला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की एनएसएस इकाई की ओर से तीन दिवसीय ताइक्वांडो कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्नातक पहले वर्ष के छात्र-छात्राओं को आत्म रक्षा के गुर सिखाए गए। जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने आपातकाल में दुष्मन के छक्के छुड़ाने के लिए महत्वपूर्ण कौशल सीखे।

आयोजित कार्यशाला में प्रशिक्षण लेते विद्यार्थी

बीईएल रोड बलभद्रपुर स्थित कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित आत्मरक्षा शिविर का संस्थान के कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी ने शुभारंभ किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को लगन के साथ कार्यशाला में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में ताइक्वांटो प्रशिक्षक ब्लैक बेल्ट कोच चारु संगम ने छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने शरीर को चुस्त रखने के लिए प्रारंभिक व्यायाम सिखाई। साथ ही अपर पंच, मिडिल पंच और लोअर पंच और किक के माध्यम से दुष्मन को चित करने के उपाय का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि आज के समय में छात्राओं के लिए स्वयं की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। अचानक उत्पन्न होने वाली किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहना आवश्यक है। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण त्रिपाठी, पीआरओ नरेश थपलियाल, कार्यक्रम समन्वयक असिस्टेंट प्रोफेसर ममता सहित सभी विभागों के प्राध्यापक मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कोटद्वार के सरस्वती विद्या मंदिर हाईस्कूल जशोधरपुर में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती छात्राएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत सरस्वी विद्या मंदिर हाईस्कूल जशोधरपुर में वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस दौरान बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ना चाहिए। मेहनत करने वाले बच्चों को अवश्य सफलता मिलती है। कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। इसलिए उन्हें पूरी मेहनत के साथ जीवन में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने गढ़वाली, कुमाऊंनी व हिंदी गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों ने देशक्ति नाटक, नंदादेवी राजजात यात्रा व योग आसन भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में दौरान पढ़ाई व खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम अध्यक्ष मनीष नैथानी, प्रधानाचार्य महावीर सिंह बिष्ट, विद्यालय के प्रबंधक जितेंद्र चंद्र डोबरियाल, जगतराम डबराल, जसपाल सिंह नेगी, पूरण चंद्र आर्य आदि मौजूद रहे।

तीन स्वर्ण के साथ टॉप पर रही हिमाचल की टीम

चमोली। औली में चल रही राष्ट्रीय शीतकालीन चैंपियनशिप खेल प्रतियोगिता में हिमाचल की टीम ने दबदबा बनाया हुआ है। हिमाचल की टीम तीन गोल्ड के साथ अब तक नौ पदक अपने नाम कर चुकी है। खास बात यह है कि हिमाचल की महिला खिलाड़ियों ने ही सारे पदक जीते हैं। वहीं दूसरे दिन भारतीय सेना के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड के साथ कुल सात पदक जीते। औली में शनिवार को राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों के दूसरे दिन पुरुष वर्ग में सेना और महिला वर्ग में हिमाचल की टीमों ने पदक झटके। दूसरे दिन हुई कुल पांच प्रतियोगिताओं में हिमाचल की टीम ने दो स्वर्ण, दो कांस्य और दो रजत पदक जीते, जबकि एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक वह पहले ही दिन जीत चुके हैं। वहीं सेना की पुरुष टीम ने दूसरे दिन दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम किए। एक स्वर्ण के साथ जम्मू कश्मीर की टीम तीसरे और एक कांस्य पदक के साथ उत्तराखंड की टीम चैथे स्थान पर रही। रेस आफिस के विजयंत रावत ने बताया कि दूसरे दिन आठ नंबर टावर से जायंट स्लैलम पुरुष वर्ग में 45, स्नो बोर्ड पुरुष वर्ग में 32, महिला वर्ग में चार खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। वहीं 10 नंबर टावर के पास से स्की माउंटेनियरिंग प्रतियोगिता हुई जिसके पुरुष वर्ग में 25 और महिला वर्ग में 12 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विंटर गेम्स एसोसिएशन के सचिव राकेश रंजन भिलंगवाल, कोच विकेश डिमरी, आईटीबीपी के अधिकारी, खिलाड़ी व पर्यटक मौजूद रहे।

तालजामण में पुलिस ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

रुद्रप्रयाग। तहसील बसुकेदार के अंतर्गत ग्राम पंचायत तालजामण के पंचायत भवन बड़ेथ में थाना गुप्तकाशी की टीम की ओर से जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता , विभिन्न गांव की महिला मंगल दल युवक मंगलदल मौजूद रहे। इस दौरान सी ओ विकास पुंडीर और थाना प्रभारी गुप्तकाशी राकेश कुमार ने लोगों को जागरूक करते हुए महिला सुरक्षा,ऑनलाइन धोखाधड़ी अन्य विषय पर ग्रामीणों को जानकारी दी गयी।

थराली में पार्किंग ठप, सड़कों पर वाहनों का कब्जा, रोज लग रहा जाम

चमोली)। सात से अधिक बाजारों और मोहल्लों से मिलकर बने थराली कस्बे में पार्किंग व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। कस्बे में महज एक पार्किंग स्थल है जो बीते सात महीनों से मलबे से पटा पड़ा है। इससे स्थानीय निवासियों, बाहरी क्षेत्रों से आने वाले लोगों और ग्रामीण इलाकों से आवागमन करने वाले वाहनों का जमावड़ा सड़कों पर लग रहा है। संकरी सड़कों से दोपहर के समय थराली में आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। व्यापार संघ और पुलिस प्रशासन के साथ इस समस्या के समाधान के लिए कई बार बैठकें भी की जा चुकी हैं लेकिन न तो नई पार्किंग बनाने की योजना धरातल पर उतरी और न ही जाम की समस्या का कोई ठोस समाधान निकल पाया है। सिमली–ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित अपर बाजार और नासिर बाजार में पार्किंग के लिए कोई स्थान उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यहां आने वाले सभी वाहन सड़क किनारे खड़े किए

जाते हैं। इससे यहां आए दिन जाम लना रहता है। वहीं, थराली–देवाल स्टेट हाइवे पर बैंक बाजार, भैरव मार्केट, मीट मार्केट, मुख्य बाजार, केदारबगड़ और राड़ीबगड़ जैसे प्रमुख बाजार स्थित हैं। इनमें मुख्य बाजार और केदारबगड़ क्षेत्र के लिए करीब 100 वाहनों की क्षमता वाली एकमात्र पार्किंग बनाई गई थी। हालांकि बीते वर्ष अगस्त में आई आपदा से यह पार्किंग क्षतिग्रस्त हो गई और मलबे से भर गई। पिछले सात महीनों से इसकी सफाई और मरम्मत नहीं हो पाई है। ऐसे में वाहन चालक अपने वाहन ग्रामीण मार्गों और मुख्य सड़क पर खड़े करने के लिए मजबूर हैं जिससे जाम की समस्या और भी गंभीर होती जा रही है।इन ग्रामीण रूटों से पहुंचते हैं वाहनः थराली–डुंग्री मोटर मार्ग 16 गांवों को जोड़ता है। वहीं देवाल, कूनी–पार्था, गोठिंडा और चेपड़ों, किमनी, चौण्डा, काखड़ा, गुगुवा, तुंगेश्वर, देवराड़ा, सुनांउ, माल बज्वाड़ सहित कस्बीनगर एवं ग्रामीण रूटों के 200 से अधिक वाहन रुकते हैं। नगर में बड़ी पार्किंग के लिए जगह नहीं मिल पा रही है। हम छोटी–छोटी पार्किंग के निर्माण के बारे में सोच रहे हैं जिससे बाजार में वाहनों का दबाव कम हो सके और जाम से निजात मिल सके। साथ ही केदारबगड़ में बनी पार्किंग के मरम्मत और सुधारीकरण के लिए डीपीआर शासन को भेजी है। ——
सुनीता रावत, अध्यक्ष नपं थराली।

केदारघाटी के रेल बीट के जंगलों में लगी आग, वनकर्मी पा रहे काबू

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ वन्य जीव अभ्यारण्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले केदारघाटी के जंगलों में भीषण आग लगी है। जंगलों में भीषण आग लगने से लाखों की वन संपदा खाक हो गई है। वन्य जीव–जंतुओं के जीवन पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। जानकारी के अनुसार केदारनाथ वन्य जीव अभ्यारण्य के ग्राम तोषी व न्यालसू रामपुर के समीप स्थित जंगल में शुक्रवार शाम से भीषण आग लगी हुई है। आग इतनी भीषण है कि सुरम्य मखमली बुग्यालों तक पहुंच कर उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। इधर, केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग की ओर से जंगलों में लगी आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए हैं। शनिवार प्रातः रेल बीट के न्यालसू रामपुर के समीप स्थित पहाड़ी के जंगलों में भी भीषण आग लगने से वन संपदा खाक हो रही है। केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग रेंज अधिकारी विमल भट्ट ने बताया कि गत शुक्रवार को तोषी के समीप जंगलों में आग लगने सूचना मिलते ही आठ सदस्यीय टीम आग पर काबू पाने के लिए भेज दी गई थी जिनके द्वारा आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। वहीं, न्यालसू रामपुर के समीप रेल बीट के जंगलों में लगी आग पर काबू पाने के लिए स्वयं मौके पर पहुंच जंगलों में लगी भीषण आग पर काबू पाने के लिए शनिवार सुबह से ही चार सदस्यीय दल तैनात किया गया है। वन कर्मियों की ओर से अधिकांश हिस्सों में लगी आग पर काबू पा लिया गया है मगर एक तरफ चट्टानी इलाका होने के कारण आग पर काबू पाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जल्द ही आग पर काबू पा लिया जाएगा।

नंदप्रयाग में खुलेगा जनपद का मॉडल पशु अस्पताल, सर्जरी और ऑपरेशन की मिलेगी सुविधा

चमोली। चमोली जनपद में पशुओं को उचित देखभाल, सर्जरी, टीकाकरण और आपातकालीन सेवाएं मुहैया कराने के लिए मॉडल पशु अस्पताल स्थापित किया जाएगा। इस अस्पताल का निर्माण नंदप्रयाग में किया जाएगा। लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले इस अस्पताल के निर्माण के लिए शासन की ओर से पशुपालन विभाग को पहली किस्त के रूप में एक करोड़ 30 लाख रुपये दिए जा चुके हैं। मॉडल अस्पताल का संचालन 2027 में किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। चमोली जनपद में मौजूदा समय में 145625 गाय, 37922 भैंस, 96861 बकरी और 75417 भेड़ मौजूद हैं। यूं तो जनपद के सभी विकास खंडों में पशु अस्पताल संचालित हो रहे हैं, मगर पशुओं की उन्नत स्वास्थ्य देखभाल के लिए निदान, सर्जरी, टीकाकरण और आपातकालीन सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के लिए मॉडल अस्पताल का संचालन किया जा रहा है। इस अस्पताल में विशेष चिकित्सा, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड और आपातकालीन रिकवरी यूनिट की सुविधा मौजूद होगी। अस्पताल में पशु चिकित्सकों की विशेषज्ञ टीम और मोबाइल वेटनरी यूनिट काम करेगी। नंदप्रयाग में जनपद का मॉडल पशु अस्पताल संचालित होगा। इसके लिए लगभग चार करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं जिसमें से हमें पहली किस्त एक करोड़ 30 लाख रुपये मिल गए हैं। अस्पताल निर्माण के लिए भूमि सुधार का काम शुरू कर दिया गया है। अस्पताल संचालन का लक्ष्य 2027 रखा गया है। – डॉ. असीम देव, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, चमोली

तलवाड़ी अस्पताल को जल्द मिलेगा अपना भवन

गैरसैंण विकास खंड के पशु अस्पताल तलवाड़ी को जल्द अपना भवन मिल जाएगा। शासन से अस्पताल भवन निर्माण के लिए 99 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। इसके निर्माण के लिए प्रथम किस्त के रुप में 29 लाख रुपये पशुपालन विभाग को मिल गए हैं। सीवीओ डॉ. असीम देव ने बताया कि अभी तक तलवाड़ी का पशु अस्पताल किराए के भवन पर संचालित हो रहा है। आगामी वर्ष यहां भी नया भवन बनकर तैयार हो जाएगा।

वसंतोत्सव के समापन पर हांसा नृत्य नाटिका रही आकर्षण का केंद्र

नई टिहरी। नगर पंचायत क्षेत्र में तीन दिवसीय वसंतोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्र्मों के साथ संपन्न हो गया। समारोह में छात्र–छात्राओं ने देश भक्ति और लोक संस्कृति पर आधारित मनमोहक प्रस्तुति दीं। कार्यक्र्म में हांसा नृत्य नाटिका खासा आकर्षण का केंद्र रही। घनसाली वसंतोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्र्मों की प्रस्तुति दी। महोत्सव के समापन पर मुख्य अतिथि विधायक शक्ति लाल शाह ने छात्र–छात्राओं की ओर से दी गई प्रस्तुति की सराहना की। इस दौरान वसंतोत्सव में अपनी प्रस्तुति देने वाले छात्र–छात्राओं और अन्य कलाकारों को पुरस्कृत किया गया।

कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, विपक्ष की आवाज दबाने का लगाया आरोप

चमोली। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश में लगातार बिगड़ती जा रही कानून व्यवस्था व प्रदेश व केंद्र सरकार पर विपक्ष की आवाज को दबाने और जनता की आवाज को न उठाने देने से आक्रोशित होकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला जलाया। शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड पर प्रदेश सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस नेता संदीप पटवाल ने कहा कि शुक्रवार को न्याय पंचायत भगोती में जन–जन की सरकार ,जन–जन के द्वार कार्यक्र्म में क्षेत्र की समस्याओं पर अधिकारियों से सवाल पूछे जाने पर स्थानीय विधायक और जिपं सदस्य ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस पर अधिकारियों को बीचबचाव करना पड़ा था। कहा कि सरकार विपक्ष की आवाज को दबा रही है। ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र रावत ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। 16 दिनों के अंदर देहरादून और नैनीताल में 5–5 हत्याएं हो चुकी हैं। पूर्व विधायक डॉ. जीतराम ने कहा कि यह वर्ष चुनावी वर्ष है। सरकार को अबतक जनता की याद नहीं आई और अब चुनाव नजदीक है तो सरकार जनता के द्वार पहुंचने लग गई है।

नया कूड़ा घर बनने तक वर्तमान डंपिंग जोन में डाला जाएगा कूड़ा

चमोली। नगर पंचायत नंदानगर के कूड़ा निस्तारण केंद्र के संबंध में उस्तोली के ग्रामीणों ने आपत्ति जताई है। विरोध को देखते हुए नगर पंचायत ने ग्रामीणों के साथ बैठक की जिसमें सहमति बनी कि नया कूड़ा डंपिंग क्षेत्र बनने तक इसी स्थान पर कूड़ा डाला जाएगा। नगर पंचायत ने जल्द से जल्द कूड़ा निस्तारण के लिए स्थायी कूड़ा डंपिंग क्षेत्र बनाने की बात कही।नगर पंचायत अध्यक्ष बीना रौतेला ने बताया कि नंदानगर नगर पंचायत हाल ही में अस्तित्व में आई है।

गेठांणा बांगर में दो दिवसीय भव्य मेले का आज होगा आगाज

चमोली। विकासखंड जखोली की पट्टी बांगर स्थित ग्राम गेठांणा बांगर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर दो दिवसीय भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। घण्डियाल जन जागरण समिति के अध्यक्ष प्रबल सिंह मेंगवाल और समिति के संयोजक मकान सिंह मेंगवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले में धार्मिक आस्था, लोक संस्कृति और पारंपरिक विरासत की अनूठी झलक देखने को मिलेगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने हाईस्कूल की मुख्य परीक्षा सन् 2006 में अनुक्रमांक 0063151 से कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय कपरोली, जिला पौड़ी गढ़वाल से संस्थागत परीक्षार्थी के रूप में उत्तीर्ण की। मेरी हाईस्कूल का अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र वास्तव में खो गये है। जो काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिले।

सुरजीत सिंह पुत्र श्री राजे सिंह निवासी ग्राम कपरोली, पट्टी चोपडाकोट, तहसील थलीसैंण, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

कुंभ 2027 से पहले अतिथि गृहों की बदलेगी सूरत

देहरादून। राज्य में आने वाले विशिष्ट अतिथियों और अधिकारियों को उच्च स्तरीय आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवास एवं राज्य संपत्ति विभाग के सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने शनिवार को देहरादून से लेकर हरिद्वार तक विभिन्न राजकीय गेस्ट हाउसों का व्यापक निरीक्षण किया। यह दौरा केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि व्यवस्थाओं को जमीनी स्तर पर परखने और उन्हें आधुनिक मानकों के अनुरूप ढालने की ठोस पहल के रूप में सामने आया। सचिव ने गेस्ट हाउसों की संरचना, अनुरक्षण, स्वच्छता, सुरक्षा, फर्नीचर, विद्युत एवं अग्निशमन व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की।उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य की छवि इन अतिथि गृहों से भी जुड़ी होती है, इसलिए यहां ठहरने वाले अतिथियों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिलना अनिवार्य है। रिनोवेशन कार्यों की गुणवत्ता, किचन की साफ–सफाई, फायर सेफ्टी सिस्टम की मजबूती और समग्र सौंदर्यीकरण को लेकर कड़े निर्देश जारी किए गए। साथ ही आगामी कुंभ मेला 2027 को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध और मानक अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सचिव ने कहा कि अतिथि गृह केवल भवन नहीं, बल्कि राज्य की आतिथ्य परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं।बीजापुर गेस्ट हाउस में तीन चरणों में होगा उन्नयनः देहरादून गढ़ी कैंट स्थित राज्य अतिथि गृह बीजापुर का संयुक्त निरीक्षण आवास एवं राज्य संपत्ति सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। निरीक्षण में राज्य संपत्ति अधिकारी, मुख्य व्यवस्थाधिकारी तथा आवास एवं सिविल/विद्युत अनुरक्षण इकाई के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सचिव ने भवन की सिविल एवं विद्युत व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

प्रथम चरण में संपूर्ण रिपेयरिंग, वीवीआईपी कक्षों के उन्नयन, पुराने एवं क्षतिग्रस्त फर्नीचर के प्रतिस्थापन तथा फायर सेफ्टी सिस्टम को अत्याधुनिक बनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। द्वितीय चरण में सभी कक्षों एवं बालकनियों में प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने और भवन के समग्र सौंदर्यीकरण पर जोर दिया गया। तीसरे चरण में ड्रॉइंग रूम, गार्ड कक्ष तथा खुले प्रांगण की मरम्मत के साथ समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए। सचिव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण हों और गुणवत्ता सर्वोपरि रखी जाए। उन्होंने कहा कि राज्य अतिथि गृह बीजापुर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर इसे एक आदर्श अतिथि गृह के रूप में विकसित किया जाएगा।ऑफिसर्स ट्रांजिट हॉस्टल में 2.95 करोड़ से अधिक के कार्यों को मिली रफ्तारः बीजापुर गेस्ट हाउस के निरीक्षण के बाद सचिव रेसकोर्स स्थित ऑफिसर्स ट्रांजिट हॉस्टल पहुंचे, जहां संयुक्त निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर सचिव/राज्य संपत्ति अधिकारी, वरिष्ठ व्यवस्था अधिकारी, परियोजना प्रबंधक, अधिशासी अभियंता उत्तराखंड पेयजल निगम तथा विद्युत यांत्रिक खंड लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा में बताया गया कि हॉस्टल में 2 करोड़ 33 लाख 78 हजार रुपये की लागत से भवन की रंगाई–पुताई, शौचालयों के नवीनीकरण, क्षतिग्रस्त टाइल्स के प्रतिस्थापन एवं जलापूर्ति मरम्मत जैसे अनुरक्षण कार्य तेजी से चल रहे हैं। इसके अतिरिक्त 2 करोड़ 95 लाख 12 हजार रुपये की लागत से फर्नीचर, फर्निशिंग, विद्युत एवं सिविल कार्यों को गति दी गई है। बैठक में पुरानी लिफ्ट को हटाकर नई आधुनिक लिफ्ट स्थापित करने, छत पर टिन शेड निर्माण, प्रथम से तृतीय तल तक गैलरी में पीवीसी/मेटल फॉल्स सीलिंग, नई इलेक्ट्रिकल वायरिंग और सीलिंग लाइट लगाने का निर्णय लिया गया। सुविधाओं के विस्तार के तहत पार्किंग स्थल के समीप 9 नए डबल/सूट कक्षों के निर्माण की योजना भी स्वीकृत की गई है। सभी कमरों में टीवी हेतु डेटा केबलिंग और नया इंटरकॉम सिस्टम स्थापित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

तुगलक के मंचन ने लूटा दर्शकों का दिल

देहरादून। देश की प्रतिष्ठित नाट्य संस्था राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) नई दिल्ली की ओर से हिमालयन कल्चरल सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय नाट्य समारोह 'भारंगम' में शनिवार को लोक कला संस्कृति केंद्र गढ़वाल विश्वविद्यालय ने तुगलक नाटक का मंचन किया। समारोह में तुगलक नाटक का मंचन किया गया, जिसका निर्देशन एनएसडी से प्रशिक्षित महेंद्र कुमार ने किया। नाटक में मोहम्मद बिन तुगलक के शासन की दूरदर्शिता, असफल योजनाओं और जनता से बढ़ती दूरी को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।मंचन में शिवम, मेघा, सोमिल, शिवम यादव, कार्तिकेय खड्डूर, विकेश बाजपेई, गौरव नेगी, ईशान अली, आदित्य कुमार, अर्जुन राणा, प्रशांत थपलियाल और अरविंद टमटा सहित छात्रों ने अभिनय किया। कार्यक्रम का उद्घाटन दून विवि की प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल और गढ़ रत्न नरेंद्र सिंह नेगी ने किया। जबकि आरबीआई के उपमहाप्रबंधक शैलेंद्र शर्मा, आरआईएमसी के कमांडेंट कर्नल राहुल अग्रवाल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पायल बोबीरा शामिल रहे।

नालापानी इंटर कॉलेज में शौचालय ब्लॉक का लोकार्पण

देहरादून। रायपुर स्थित राजकीय इंटर कॉलेज नालापानी में शनिवार को सीएसआर के तहत छात्र–छात्राओं के लिए नए शौचालय ब्लॉकों का जीर्णोद्धार कर विद्यालय को सौंपा गया। यह कार्य यूरेका फोर्ब्स लिमिटेड और सेंटर फॉर यूथ डेवलपमेंट एंड एक्टिविटीज ने कराया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने दोनों संस्थाओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे विद्यालय में स्वच्छता व सुविधाएं बेहतर होंगी। कार्यक्रम में यूरेका फोर्ब्स के सुनील सिंह, अपार त्यागी, सीवाईडीए की अरोकिया मैरी, अजित नैनवाल, प्रधानाचार्य डॉ. ज्योति प्रसाद तिवारी ,प्रवक्ता कुलदीप कंडारी और द्वारिका प्रसाद पुरोहित भी मौजूद रहे।

डॉ भीमराव अंबेडकर महामंच ने किया कांग्रेस कार्यालय कूच

देहरादून। डॉ भीमराव अंबेडकर महामंच के आह्वान पर शनिवार को राजधानी में एक विशाल रैली की गई। रैली का उद्देश्य कांग्रेस पार्टी के प्रदेश मुख्यालय का घेराव करना था, लेकिन भारी पुलिस बल ने कनक चौक पर बैरिकेडिंग लगा कर भीड़ को आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि प्रदेश में सामाजिक समरसता और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखा जाए, पिछड़े व दलित वर्ग के हितों की अनदेखी पर कांग्रेस स्पष्ट जवाब दे। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों के संरक्षण व सम्मान पर जोर दिया और कहा कि इस दिशा में पहल करने वाले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को निशाना बनाना स्वीकार्य नहीं है। रैली के दौरान मुख्यमंत्री की लागू नीतियों व निर्णयों के माध्यम से सामाजिक न्याय को सशक्त करने के प्रयासों का समर्थन जताया गया।

यूओयू में असिस्टेंट होम स्टे मैनेजर के लिए काउंसलिंग 16 से

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) ने पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) से मान्यता प्राप्त असिस्टेंट होम स्टे मैनेजर पाठ्यक्रम शुरू कर दिया है। इस पाठ्यक्रम के लिए काउंसलिंग एवं गाइडेंस फॉर्म 16 फरवरी से खोले जा रहे हैं। विवि के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया में अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की सत्यापन के बाद ही पात्र उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा।

दून अस्पताल में टीबी के 1441 मरीजों को दिया जीवनदान

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग ने टीबी उन्मूलन में बड़ी सफलता हासिल की है। अस्पताल ने एक साल के भीतर दवा–प्रतिरोधी यानि एमडीआर टीबी के गंभीर मामलों में भी मरीजों को नया जीवन दिया है। शनिवार को प्राचार्य डॉ. गीता जैन ने बताया कि एक साल के भीतर 1441 टीबी मरीजों का उपचार किया गया। इसमें 872 पल्मोनरी (फेफड़ों की टीबी), 449 एक्स्ट्रा–पल्मोनरी और 120 बच्चे शामिल हैं। सबसे बड़ी चुनौती माने जाने वाले 57 एमडीआर–टीबी मरीजों का भी सफल इलाज किया। इसमें से 24 मरीजों को कम समय वाली शॉर्टर बीपालएम रेजीमेन पर रखा गया है। प्रिवेंटिव थैरेपी पर जोर एचओडी डॉ. अनुराग अग्रवाल ने बताया कि इलाज के साथ–साथ संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए टीबी प्रिवेंटिव थेरेपी पर विशेष फोकस है। इसमें मरीजों के संपर्क में आए बच्चों और परिजनों को सुरक्षित रखने की रणनीति अपनाई गई है। अक्षय मित्र पहल के जरिए सामाजिक सहयोग से मरीजों को पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनकी रिकवरी तेज हो रही है। ये है एमडीआर टीबी? डॉ. अग्रवाल के मुताबिक टीबी की दवा बीच में छोड़ना, अनियमित सेवन या गलत दवा संयोजन से एमडीआर–टीबी का खतरा पैदा होता है। यह सामान्य टीबी से अधिक घातक है और इसके इलाज की प्रक्रिया भी लंबी और जटिल होती है।

हल्द्वानी की गीतांजलि बिष्ट को मलेशिया में मिलेगा सम्मान

हल्द्वानी। तल्ली बमौरी आर्दश नगर निवासी गीतांजलि बिष्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। उनको आगामी 25 अप्रैल को कुआलालंपुर मलेशिया में आयोजित होने वाले 7वें डिजिटल मार्केटिंग, एडवरटाइजिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस टॉप 20 राइजिंग एआई लीडर्स में शामिल कर सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान विश्वभर से चुने गए उन 20 उत्कृष्ट प्रतिभागियों को दिया जाएगा। जिन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र में शानदार कार्य किया है। गीतांजलि न्यू मोंटेसरी स्कूल हल्द्वानी के प्रबंधक बीरेन्द्र बिष्ट की पुत्री हैं। वर्तमान में वह नोएडा में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोडक्ट मैनेजर (एआई और डेटा साइंस) के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा हल्द्वानी के न्यू मोंटेसरी स्कूल और आर्यमान विक्रम बिरला स्कूल से प्राप्त की।

पुलवामा के शहीदों को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

हल्द्वानी। एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था की ओर से शनिवार को डीके पार्क में पुलवामा आतंकी हमले के शहीदों की सातवीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू व मीना जोशी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने शहीदों के बलिदान को नमन किया। शांति रावत ने कहा कि सेना के जवानों के सवोच्च बलिदान के कारण ही देश सुरक्षित है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। श्रद्धांजलि देने वालों में रुपेन्द्र नागर, नन्दकिशोर आर्या, मीना जोशी, तरुण सक्सेना, वीरेंद्र जायसवाल, पीयूष शर्मा, राजेश साहू, रोहतास प्रजापति, सुनीता तिवारी, ममता खत्री, रेनू कांडपाल, निशा वैला, योगिता बनोला, लीला भंडारी, हेमा कार्की, मोनिका आर्या, तारा टकवाल, शर्मिला मित्रा, कुसुम बोरा, तारा पांडे, योगेश कश्यप, रवि गुप्ता, विजय गोस्वामी, यश गुप्ता, सूरज मिस्त्री, संदीप यादव, संजीत सिन्हा, वंश गुप्ता, लक्ष्मी नारायण, जानकी कश्यप, अमित गोस्वामी, सूरज कुम्हार व मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

महिलाओं की बेकरी यूनिट बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कार्यालय के समीप वर्ष 2019 में स्थापित उमंग स्वायत सहकारिता बिजली ढ़ांढ़री की बेकरी यूनिट आज ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार एवं आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बन गयी है। बेकरी यूनिट की स्थापना 10 अक्टूबर 2019 को की गयी थी, जिसे हिमोत्थान समिति देहरादून (टाटा ट्रस्ट) तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से प्रारंभ किया गया। ब्लॉक मिशन मैनेजर विजय सिंह ने बताया कि बेकरी यूनिट में वर्तमान में 6 महिलाएं नियमित रूप से कार्य कर रही हैं। हिमोत्थान समिति देहरादून द्वारा समूह की महिलाओं को बेकरी उत्पाद तैयार करने हेतु निःशुल्क मशीनें उपलब्ध करायी गयी, साथ ही बेकरी सामग्री बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण के बाद महिलाओं ने स्थानीय पहाड़ी अनाज से बेकरी उत्पाद तैयार कर बाजार में विक्रय करना शुरू किया, जिससे आज यह यूनिट एक सफल स्वरोजगार मॉडल के रूप में स्थापित हो गयी है। इसके साथ ही 105 स्थानीय महिलाओं से 90 रुपये प्रतिकिलो झंगोरा और 47 रुपये प्रतिकिलो मंडुवा खरीदा जा रहा है, जिससे उन्हें भी रोजगार से जोड़ा गया है। यूनिट की विशेषता यह है कि यहां मंडुवा और झंगोरा जैसे स्थानीय एवं पोषक अनाज से बेकरी के बिस्किट, लड्डू, केक सहित अन्य सामग्री तैयार की जाती है। पहाड़ी उत्पादों से तैयार बेकरी सामग्री को स्थानीय बाजारों में विक्रय किया जा रहा है, साथ ही इसकी मांग अन्य राज्यों तक भी बढ़ रही है। बेकरी यूनिट से प्रतिदिन औसतन 5 से 6 हजार रुपये की कमाई हो रही है। वहीं यूनिट का मासिक टर्नओवर 1.50 लाख से 2 लाख रुपये तक पहुंच रहा है तथा प्रतिमाह लगभग 70 से 80 हजार रुपये का शुद्ध लाभ भी प्राप्त हो रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से बेकरी उत्पादों को स्थानीय बाजारों के साथ-साथ अन्य राज्यों में आयोजित मेलों एवं कार्यक्रमों में स्टॉल लगाकर भी विक्रय किया जा रहा है, जिससे उत्पादों की बिक्री में लगातार वृद्धि हो रही है।

विदेशों तक पहुंच रहे पौड़ी के पहाड़ी बेकरी उत्पाद

पौड़ी में स्थापित बेकरी यूनिट से तैयार उत्पादों की गुणवत्ता एवं स्वाद को देखते हुए दिल्ली की ह्नरंगीलो छबीलोंह्न कंपनी द्वारा भी यहां से नियमित रूप से बेकरी उत्पाद खरीदे जा रहे हैं। विशेष रूप से मक्खन एवं गुड़ से तैयार बिस्किट सहित अन्य पहाड़ी अनाज से बने उत्पाद कंपनी द्वारा पौड़ी की इस यूनिट से खरीदे जा रहे हैं। कंपनी द्वारा इन उत्पादों को देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों तक भी पहुंचाया जा रहा है। इससे पौड़ी की महिलाओं द्वारा तैयार पहाड़ी बेकरी उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। देश के अलावा विदेशों में भी लोग इन उत्पादों के स्वाद और गुणवत्ता को खूब पसंद कर रहे हैं।

अस्पताल के मुख्य भवन में शिफ्ट हुआ जन औषधि केंद्र, लोगों को मिलेगा लाभ

चमोली। उपजिला अस्पताल परिसर में संचालित जन औषधि केंद्र अब अस्पताल के मुख्य भवन में शिफ्ट हो गया है। इससे लोगों को सस्ती दवाओं का लाभ मिल सकेगा। कर्णप्रयाग उप जिला अस्पताल परिसर के प्रशासनिक भवन में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र सालों से संचालित हो रहा है। ओपीडी और वार्ड मुख्य भवन में संचालित हैं। ऐसे में अस्पताल में कई बार लोगों को दवाएं नहीं मिल पाती और जन औषधि केंद्र कुछ दूरी पर होने से आम मरीज और तीमारदार कई बार केंद्र तक नहीं पहुंच पाते। इससे चलते लोगों को बाजार से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ती है। ऐसे में अब अस्पताल प्रबंधन ने जन औषधि केंद्र को मुख्य भवन में शिफ्ट किया है। इससे लोगों को अस्पताल में नहीं मिलने वाली दवाओं के लिए बाहर नहीं भटकना पड़ेगा।

बिगड़ती कानून व्यवस्था पर राज्य आंदोलनकारियों ने जताया रोष

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी मंच की ने प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर रोष जताया। शनिवार को शहीद स्मारक पर प्रदेश में हुई बैठक में इस पर चर्चा की गई। साथ ही सख्त कार्रवाई की मांग की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी, संयुक्त नागरिक संगठन के दिनेश भण्डारी और शिवराज सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश में लगातार बढ़ रही हत्याओं और आपराधिक घटनाओं से जनता में भय और आक्रोश का माहौल है। उन्होंने कहा कि देवभूमि की छवि पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ रहा है।प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप कुकरेती, युद्धवीर सिंह चौहान और ताराचन्द गुप्ता ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के बलिदान से बने उत्तराखंड में आज अपराध और भू–माफियाओं का प्रभाव बढ़ना चिंताजनक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए। बैठक में मांग की गई कि अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सचिव स्तर के अधिकारी जिलों और कस्बों में जाकर फीडबैक लें तथा लापरवाह कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। सत्यापन प्रक्रिया में पारदर्शिता और सख्ती बढ़ाने की भी मांग उठाई गई। द्वारिका बिष्ट, तारा पाण्डे और सुलोचना भट्ट सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश में चोरी, लूट, गोलीकांड और भूमि विवाद बढ़ रहे हैं, जबकि पुलिस व्यवस्था और पीसीआर सेवाएं पर्याप्त रूप से सक्रिय नहीं हैं। बैठक में केशव उनियाल, जितेंद्र अंथवाल, अवधेश शर्मा, विशंभर दत्त बौंठीयाल, गणेश डंगवाल, हरी सिंह मेहर, मनोज नौटियाल, सत्या कण्डवाल, सुरेश नेगी, राजेश्वरी नेगी, विमला रावत, हरीश पंत, गिरीश चन्द भट्ट, सरोज कण्डवाल, शांति कैन्तुरा, हरिओम ओमी, सतेन्द्र नौगांई सहित अनेक आंदोलनकारी उपस्थित रहे।

दस कथाकारों की कहानियों का गुनियाल गांव इंटर कॉलेज में विमोचन

देहरादून। बच्चों के लिए रचे जा रहे साहित्य को उन तक ले जाने के लिए कोना कक्षा का अभियान और धाद संस्था ने शनिवार को इंटर कॉलेज गुनियाल गांव में कहानी संकलन का विमोचन और संवाद का आयोजन किया। 'कोना किताब का' प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक में उत्तराखंड के दस प्रतिष्ठित कथाकारों द्वारा बच्चों के लिए लिखी गयी कहानी संकलित की गयी हैं। आयोजन का विचार पक्ष रखते हुए कोना कक्षा का के मुख्य संयोजक गणेश चंद्र उनियाल ने कहा कि धाद संस्था ने अपने अभियान को देश दुनिया के श्रेष्ठ साहित्य को हरेक स्कूल के छात्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया है। स्थानीय संदर्भ देते हुए उत्तराखंड के कथाकारों द्वारा बच्चों के लिये लिखी कहानियों को एक संकलन में पिरोया है। किताब की संपादक डॉ. विद्या सिंह ने कहा कि ये कहानियां जीवन के अलग–अलग पक्ष को ध्यान में रख कर संकलित की गयी हैं। प्रबंध संपादक कल्पना बहुगुणा ने कहा ये कहानियां बच्चों की कल्पना शक्ति को प्रोत्साहित करेंगी। स्कूल के बच्चों ने कहानी की समीक्षा और पाठ किया। संकलन में सुरेन्द्र सेमल्टी, डॉ. आशा रावत, जीतेन्द्र शर्मा, जीतेन ठाकुर, बल्लभ डोभाल, देवेन्द्र मेवाड़ी, सुरेश उनियाल, शमा खान, डॉ. दिवा भट्ट की कहानियां शामिल हैं। संचालन कोना कक्षा का संयोजक आशा डोभाल ने किया।

ओएनजीसी कम्यूनिटी सेंटर में 22 को होगा कूर्मांचल परिषद का होली मिलन

देहरादून। कूर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद का सामूहिक होली मिलन समारोह 22 फरवरी को ओएनजीसी कम्यूनिटी सेंटर में आयोजित होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर एक बैठक शनिवार को केंद्रीय अध्यक्ष कमल रजवार की अध्यक्षता में हुई। सर्वसम्मति से कार्यक्रम के मुख्य संयोजक हरी सिंह बिष्ट व सह संयोजक जगदीश पांडे बनाए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कमेटियों का गठन किया गया। बैठक में गंभीर रावत, नवीन तिवारी, वीरेंद्र कांडपाल, मोहन सिंह मेहरा, प्रेमा तिवारी, भारती पांडे, उत्तम अधिकारी, प्रेम लता बिष्ट, आर एस बिरोदिया आदि उपस्थित थे ।

किसानों को सोयाबीन से टोफू बनाने और कृषि यंत्रों का दिया प्रशिक्षण

अल्मोड़ा। द्वाराहाट क्षेत्र के एरासेरा गांव में शुक्रवार को किसानों के लिए सोयाबीन आधारित उत्पादों और कृषि यंत्रों के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा द्वारा अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना–कटाई उपरांत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत के निर्देशन में हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी देने के साथ ही सोयाबीन से मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रति प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में गांव के 21 किसानों, जिनमें 15 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल थे, ने भाग लिया। प्रतिभागियों को सोयाबीन से टोफू (सोयापनीर), सोया दूध और सोया बड़ी बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों ने स्वयं इन उत्पादों को तैयार किया और उनकी विधि को समझा। साथ ही उन्हें संबंधित जानकारी के पर्चे भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में कृषि यंत्रों के उपयोग पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। विशेष रूप से विवेक मंडुवा थ्रेशर और धान थ्रेशर की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और लाभों के बारे में बताया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि मंडुवा थ्रेशर के उपयोग से मड़ाई का कार्य तेजी से होता है और श्रम व समय की बचत होती है। इसकी क्षमता सामान्य फसल में 40 से 60 किलोग्राम प्रति घंटा तथा अच्छी गुणवत्ता की फसल में 60 से 80 किलोग्राम प्रति घंटा तक है। वहीं धान थ्रेशर की क्षमता लगभग 80 से 100 किलोग्राम प्रति घंटा बताई गई।

देहरादून में फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल का 61वां एडिशन होगा

देहरादून। फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल देहरादून इवेंट 15 फरवरी, 2026 को सुबह 7:30 बजे परेड ग्राउंड, देहरादून में आयोजित किया जाएगा। देहरादून फिटनेस और युवा एनर्जी का एक वाइब्रेंट हब बनने के लिए तैयार है, क्योंकि फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल का 61वां एडिशन उत्तराखंड की राजधानी में शुरू हो रहा है। यह देश भर में होने वाले इस मूवमेंट के एक खास कैंपस–फोकस्ड एडिशन के लिए टॉप एथलीट, कॉलेज स्टूडेंट्स और फिटनेस के शौकीनों को एक साथ लाएगा। आने वाला एडिशन कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज़ के बीच फिट इंडिया मूवमेंट की बढ़ती पहुंच को दिखाता है, जो युवा भारतीयों को साइकिलिंग और एक्टिव लाइफस्टाइल को जीवनशैली के तौर पर अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। दिसंबर 2024 में युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया द्वारा शुरू किया गया, फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल एक 'जन आंदोलन' बन गया है, जो फिटनेस, साफ पर्यावरण और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देता है, इस मूवमेंट में देश भर में 2.5 लाख जगहों पर 25 लाख से ज़्यादा लोग शामिल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' प्रोग्राम में बार–बार फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल पहल का ज़िक्रकिया है। उन्होंने कहा है कि इस मूवमेंट के ज़रिए, भारत हेल्थ को रूटीन के साथ, एक्टिविटी को डिसिप्लिन के साथ, और पर्सनल वेल–बीइंग को नेशनल वेल–बीइंग के साथ बैलेंस करना सीख रहा है। यह कैंपेन के दो ज़रूरी मुद्दों पर बात करता है, जिससे लोगों को कार्बन फुटप्रिंट कम करते हुए फिट रहने का एक आसान और मज़ेदार तरीका मिलता है। देहरादून एडिशन में स्टार पावर और प्रेरणा जोड़ने के लिए जाने–माने खिलाड़ियों की एक खास लाइन–अप होगी। इस ग्रुप को लीड कर रही हैं नूपुर श्योराण, जो महिला हैवीवेट बॉक्सिंग में भारत के जाने–माने नामों में से एक हैं। कई बार वर्ल्ड बॉक्सिंग कप गोल्ड मेडलिस्ट और वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट, श्योराण की मौजूदगी से युवा पार्टिसिपेंट्स को उनके अनुशासन, हिम्मत और इंटरनेशनल सफलता के सफ़र से मोटिवेट होने की उम्मीद है।कार्यक्रम में सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत समेत पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी मौजूद रहेंगे।पूर्व भारतीय इंटरनेशनल गोलकीपर और मशहूर कोच योगिता बाली भी इस इवेंट का हिस्सा होंगी। भारत की सीनियर और जूनियर महिला हॉकी टीमों को बड़े कॉन्टिनेंटल और ग्लोबल इवेंट्स में सिल्वर मेडल दिलाने के बाद, बाली उस अनुभव और लीडरशिप की गहराई को दिखाती हैं जिसे फिट इंडिया मूवमेंट युवाओं के सामने दिखाना चाहता है।

साइकिलिंग रैली में अलग–अलग फील्ड के उभरते और जाने–माने स्टार्स भी शामिल होंगे, जिनमें माहिर फेंसर ऋषिका खजूरिया, ट्रिपल जंप गोल्ड मेडलिस्ट निहारिका वशिष्ठ, और बास्केटबॉल आइकन विशेष भृगुवंशी शामिल हैं, जो अर्जुन अवॉर्डी हैं और भारत के सबसे लंबे समय तक इंटरनेशनल बास्केटबॉल खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं।

पॉपुलर फिटनेस कल्चर के साथ जुड़ाव को मजबूत करते हुए, फिट इंडिया के इन्फ्लुएंसर भी मौजूद रहेंगे, जिसमें पूर्व हहए स्टार शैंकी सिंह भी शामिल हैं, जिनके हिस्सा लेने से उत्साही स्टूडेंट की भीड़ आने और खेल और मूवमेंट के ज़रिए फिटनेस के मैसेज को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

देहरादून एडिशन में, कॉलेज और यूनिवर्सिटी स्पेशल पार्टनर होंगे, जिसमें स्टूडेंट चैंपियंस के साथ राइड करेंगे, जिससे कैंपस का माहौल मिलकर फिटनेस, सस्टेनेबिलिटी और युवाओं की भागीदारी का जीता–जागता उदाहरण बन जाएगा। जैसे–जैसे फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल शहरों, कैंपस और कम्युनिटी में फैल रहा है, 61वां एडिशन देहरादून में एक आसान लेकिन दमदार मैसेज को और मज़बूत करने का वादा करता हैः फिटनेस कोई इवेंट नहीं है, बल्कि रोज़ाना की एक आम आदत है–सबसे अच्छा अनुभव तब होता है जब सब एक साथ राइड करते हैं।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.8889 (UTTHIN/2005/16338)